

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 28]

नई दिल्ली, शनिवार, जूलाई 10, 1993/आषाढ़ 19, 1915

No. 28]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 10, 1993/ASADHA 19, 1915

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य
के अन्तर्गत प्रशासनों के छोड़कर) द्वारा विधि के अन्तर्गत इन्हें और जारी किये गये साधारण ताविधिक
नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आवेदन, उपनियम आदि सम्मिलित हैं)

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general
Character) issued by the Ministries of the Government of India (other
than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities
(other than the Administration of Union Territories)

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 17 जून, 1993

मा. का.नि. 349 भारत सरकार कम्पनी अधिनियम,
1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1)
के परन्तुक धारा प्रदेश शक्तियों का प्रयोग करते हुये
तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि
प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना
मंदिर मा.का.नि. 3216 (जिसे इसके बाद अधिसूचना
कहा गया है) में आंशिक उपारन्तरण करते हुये भारत
सरकार एवं द्वारा यह निर्देश देती है कि मैसर्स मनोम
प्रमोटी एस.पी.ए. (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी
कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी
होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के
खण्ड की अपेक्षाएँ जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर
लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा

उपान्तरित की गई है, निम्नलिखित अपवादों तथा उपा-
न्तरों के अधीन रहने हुये लागू होंगी अर्थात्—

यदि कम्पनी 31-3-92 को विनीय वर्षों की बावजू
अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत
में समुचित कम्पनी रजिस्टरों को निम्नलिखित की
तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594
उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्यात अनु-
पालन हुआ समझा जायेगा—

(i) भारतीय शास्त्र द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा
किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका
प्रमाणीकरण (1) अधिनियम की धारा 592
की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के
अन्तर्गत आदेशिका की सेवा स्वीकार
करने के लिए प्राप्ति किमी व्यक्ति
तथा (2) भारत में कार्यरत शास्त्रपत्र
लेखापाल द्वारा किया गया है।

(ii) उपर्युक्त मद (i) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निर्दिष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिसम्पत्तियों तथा देयताओं का विवरण; तथा

(iii) उपर्युक्त मद (i) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित उस आशय का प्रमाणपत्र कि कम्पनी ने 31-3-92 को समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

[संख्या 50/4/93-सी एल -3]
धर्मपाल, अवार सचिव

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

Now Delhi, the 17th June, 1993

G.S.R. 349 :—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (I of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Govt. hereby direct that in case of M/s. Snomprogetti S.P.A.

(hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) sub-section (1) of the said Section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 31-3-1992 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Register of Companies in India, in triplicate :—

- (i) A Statement of receipt and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act and (2) a Chartered Accountant practising in India.
- (ii) A Statement of the Company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above and
- (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company

did not carry on any business in India during the year ended on 31-3-92.

[No. 50/4/93-CL-II]

DHARAM PAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 जून, 1993

सा.का.नि. 350.—भारत सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये तथा भारत सरकार वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर 1957 की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 3216 जिसे इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपरान्तरण करते हुए भारत सरकार एतद्वारा यह निर्वेश देती है कि मैसर्स वैस्टलैण्ड स्पोर्ट सर्विसिस लिमिटेड (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएँ जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई है, निम्नलिखित अपवादों तथा उपान्तरों के अधीन रहते हुये लागू होगी, अर्थात्—

यदि कम्पनी 27-9-91 को वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समूचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करे तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्ध का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा—

- (i) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गए भुगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणीकरण (1) अधिनियम की धारा 523 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अन्तर्गत आदेशिका की में वा स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति तथा (2) भारत में कार्यरत ग्रासप्राप्त लेखापाल द्वारा किया गया है।
- (ii) उपर्युक्त मद (i) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निर्दिष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिसम्पत्तियों तथा देयताओं का विवरण, तथा
- (iii) उपर्युक्त मद (i) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित उस आशय का प्रमाणपत्र कि कम्पनी ने 27-9-91 को समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

[संख्या 50/7/92-सी एल-3]

धर्मपाल, अवार सचिव

New Delhi, 17th June, 1993

G.S.R. 350.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S. R. O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Government hereby direct that in case of M/s. Westland Support Services Ltd. (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 27-9-1991 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) A Statement of receipt and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and (2) a Chartered Accountant practising in India;
- (ii) A Statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above; and
- (iii) A certificate duly signed by a person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 27-9-1991.

[No. 50/7/92-CL-III]

DHARAM PAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 जून, 1993

सा. का. नि. 351.—भारत सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तु क्षारा प्रकृत शक्तियों का प्रयोग करते हुये तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) विनांक 4 प्रकट-ब्लर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 3216 (जिसे इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में अधिक उपारान्तरण करते हुये भारत सरकार एतद्वारा यह निर्देश देता है कि मैसर्स केन मटसु कारपोरेशन (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त

धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएँ जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई है, निम्नलिखित अपवादों तथा उपान्तरों के अधीन रहते हुये लागू होगी, अधर्तु :—

यदि कम्पनी 31-3-92 को वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करे तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा :—

- (i) भारतीय गांधा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भुगतानों का विवरण पद्धति जिसका प्रमाणीकरण (1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अन्तर्गत आदेशिका की सेवा स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत शासनप्राप्त लेखापाल द्वारा किया गया है।
- (ii) उपर्युक्त मध्य (1) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निविट दंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिसम्पत्तियों तथा देयताओं का विवरण, तथा
- (iii) उपर्युक्त मध्य (1) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित उस आशय का प्रमाण-पत्र कि कम्पनी ने 31-3-92 को समाप्त वर्षों के बौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

[संख्या 50/7/93-सी एल-3]
धर्मपाल, अवृत्त सचिव

New Delhi, 17th June, 1993

G.S.R. 351.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Govt. hereby direct that in case of M/s. Kanematsu Corporation (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 31-3-1992 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India in triplicate:—

- (i) A Statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and (2) a Chartered Accountant practising in India.
- (ii) A Statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above; and
- (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 31-3-1992.

[No. 50/7/93-CL-III]
DHARAM PAL, Under Secy.

नई दिल्ली 16 जून, 1993

सा.का.नि. 352.—भारत सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) विनांक 4 श्रवण बर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 3216 (जिसे इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपरान्तरण करते हुये भारत सरकार एतद्वारा यह निर्देश देता है कि मैसर्स निचिमेन कार्पोरेशन (जिसे इसमें इसके बावजूद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेश कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएँ जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपलब्धित को गई है, निम्नलिखित अपवादों तथा उपान्तरों के अधीन रहते हुये लागू होगी, अर्थात्:—

यदि कम्पनी 31-3-93 को वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रेशन को निम्नलिखित की तीन प्रतियों प्रस्तुत करे उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा:—

- (i) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका

प्रमाणोकरण (1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के प्रत्यंगत आदेशिका की सेवा स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति; तथा (2) भारत में कार्यरत शासन प्राप्त लेखापाल द्वारा किया गया है।

- (ii) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निर्दिष्ट ठंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिसम्पत्तियों तथा देयताओं का विवरण, तथा
- (iii) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विविवत हस्ताक्षरित उस आशय का प्रमाणपत्र कि कम्पनी ने 31-3-93 को समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

[संख्या 50/9/93-सी एल-3]
धर्मपाल, अवर सचिव

New Delhi, the 17th June, 1993

G.S.R. 352.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Government hereby direct that in case of M/s. Nichimen Corporation (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely:—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 31-3-1993 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate:

- (i) A Statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and (2) a Chartered Accountant practising in India;
- (ii) A Statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above; and

(iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 31-3-1993.

[No. 50/9/93-CL.-III]
DHARAM PAL, Under Secy.

मई दिल्ली, 17 जून, 1993

सा. का. नि. 353 :—भारत सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुये तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 3216 (जिसे इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपात्तरण करने हुये भारत सरकार () एतद्वारा यह निर्देश देती है कि मैसमं ओलेक्स लिमिटेड (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक कम्पनी विदेशी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएँ जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपात्तरित की गई है, निम्नलिखित अपवाहों तथा उपात्तरों के अधीन रहते हुये हुये लागू होंगी, अर्थात् :—

यदि कम्पनी 31-3-92 व 31-3-93 को वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार नेतृत्वों के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रेशनों को निम्नलिखित तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपर्यन्त्रों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा :—

- (1) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणीकरण (1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अन्तर्गत आवेदिका की भेंता स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत शास्त्रीय व्यापाल द्वारा किया गया है।
- (2) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निर्दिष्ट ठंग में प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिम्पत्तियों तथा इयाजों का विवरण, तथा
- (3) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित उस आशय का प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने 31-3-92 व 31-3-93 को समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

[मर्या-50/16/93-सी. ए.ल. -3]

वर्मपाल, अवर सचिव

New Delhi, the 17th June, 1993

G.S.R. 353 :—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 to 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R. O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Govt. hereby direct that in case of M/s. Olex Limited (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirement of clause (a) sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 31-3-92, 31-3-93 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) A statement of receipts and payments made by the Indian Branch, Certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and (2) a Chartered Accountant practising in India.
- (ii) A Statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above and
- (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 31-3-1992, 31-3-1993.

[No. 50/16/93-CL.III]

Dharm Pal, Under Secy.

मई दिल्ली, 17 जून, 1993

सा. का. नि. 354 :—भारत सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 3216 (जिसे इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपात्तरण करते हुये भारत सरकार () एतद्वारा यह निर्देश देती है कि मैसमं ओलेक्स लिमिटेड (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएँ जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपात्तरित

की गई है, निम्नलिखित अपवादों तथा उपान्तरों के अधीन रहते हुये लागू होगी, अर्थात्:—

यदि कम्पनी 31-12-92 व 31-3-93 को वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा:—

- (1) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणीकरण (1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अंतर्गत आदेशिका की सेवा स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत शास्त्रप्राप्त लेखापाल द्वारा किया गया गया है।
- (2) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निर्दिष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिस्थितियों तथा देशाओं का विवरण, तथा
- (3) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित उस घाशय का प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने 31-12-92 व 31-12-93 को समाप्त वर्षों के द्वारा भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

[मध्या-50/53/93-सी. एल.-3]

धर्मपाल, अवर सचिव

New Delhi, the 17th June, 1993

G.S.R. 354:—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (I of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Govt. hereby direct that in case of M/s. Sonat Offshore Drilling Inc. (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) sub-section (1) of the said Section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modification, namely:—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594, if in respect of the financial year ended on 31-12-92 & 31-12-93 the company in respect

of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate:—

- (i) A Statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 the Act; and (2) a Chartered Accountant practising in India.
- (ii) A Statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above; and
- (iii) Certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 31-12-92 & 31-12-1993.

[No. 50/53/93-CL-III]
DHARMA PAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 जून, 1993

सा. का. नि. 355:—भारत सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त घटियों का प्रयोग करते हुये तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 3216 (जिसे इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपारान्तरण करते हुये भारत सरकार (एतद्वारा यह निर्देश देती है कि मैसर्स कार्नेल ट्रेडिंग इन्क (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएँ जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई है, निम्नलिखित अपवादों तथा उपान्तरों के अधीन रहते हुये लागू होगी, अर्थात्:—

यदि कम्पनी 31-1-91, 31-1-92 व 31-1-93 को वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा:—

- (1) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणीकरण (1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अन्तर्गत आदेशिका की सेवा स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत शास्त्रप्राप्त लेखापाल द्वारा किया गया है।

(2) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निर्दिष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिसम्पत्तियों तथा देयताओं का विवरण, तथा

(3) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित व्यक्तियों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित उम आशय का प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने 31-1-91 व 31-1-92 व 31-1-93 को समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

[संख्या-50/14/93-सी. एल.-3]
धर्मपाल, अवार सचिव

New Delhi, 18th June, 1993

G.S.R. 355:— In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Govt. hereby direct that in case of M/s. Cornell Trading Inc. (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 31-1-91, 31-1-92 & 31-1-93 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- A Statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act and (2) a Chartered Accountant practising in India.
- A Statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above, and
- A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 31-1-91, 31-1-92 & 31-1-93.

[No. 50/14/93-CL. III]
Dharam Pal, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 जून, 93

सा.का.नि. 356—भारत सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा

(1) के परस्तुक द्वारा प्रदत्त प्रतियों का प्रदेश करते हुए तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 3216 (जिसे इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपारात्मक करते हुये भारत सरकार () एवं व्यावारा यह निर्देश देती है कि मैसर्स हगस सर्विसेज (फार ईस्ट) पेटे निमिटेड (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपात्मित की गई है, निम्नलिखित अपवादों तथा उपात्मरों के अधीन रहते हुए लागू होगी, अर्थात् :—

यदि कम्पनी 30-9-89, 30-9-90 व 30-9-91 को वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपवन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा :—

- भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणीकरण (1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के प्रत्यंगत आदेशिका की सेवा स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत शास प्राप्त लेखापाल द्वारा किया गया है।
- उपर्युक्त मद (i) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निर्दिष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिसम्पत्तियों तथा देयताओं का विवरण, तथा
- उपर्युक्त मद (ii) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित उम आशय का प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने 30-9-89, 30-9-90, व 30-9-91 को समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

[संख्या 50/10/92-सी.एल.-3]

धर्मपाल, अवार सचिव

New Delhi, the 24th June, 1993

G.S.R. 356.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Govt. hereby direct

that in case of M/s. Hughes Services (Far East) Private Limited (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 30-9-89, 30-9-90 & 30-9-91 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) A Statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act and (2) a Chartered Accountant practising in India;
- (ii) A Statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above; and
- (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 30-9-89, 30-9-90 and 30-9-991.

[No. 50/10/92-CL-III]
DHARAM PAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 जून, 93

सा. का. नि. 357.—भारत सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 प्रत्तत्वर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 3216 (जिसे इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपारान्तरण करते हुये भारत सरकार () एतदवारा यह निर्देश देती है कि मैमसं काउन्टर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अवैधता जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई है, निम्नलिखित अपवादों तथा उपान्तरों के अधीन रहते हुये लागू होगी, अर्थात् :—

यदि कम्पनी 31-3-91, 31-3-92 व 31-3-93 की वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा

(1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा :—

- (i) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भूगतानों का विवरण पद्धति जिसका प्रभागीकरण (1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अन्तर्गत आदेशिका की मेवा स्वीकार करते के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत शासप्राप्त लेखापाल द्वारा किया गया है।
- (ii) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निर्विष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिसम्पत्तियों तथा देयताओं का विवरण, तथा
- (iii) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विविचित हस्ताक्षरित उम आणग का प्रमाण पद्धति कि कम्पनी ने 31-3-91, 31-3-92 और 31-3-93 की समाप्त वर्षों के द्वारान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

[संख्या—50/15/92-सी.एस.-3]

धर्मपाल, अवर सचिव

New Delhi, the 24th June, 1993

G.S.R. 357.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (I of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration), No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Govt. hereby direct that in case of M/s. Coulter Electronics Limited (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exception and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 31-3-91, 31-3-92 & 31-3-93 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) A Statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act and (2) a Chartered Accountant practising in India.

(ii) A Statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above and
 (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 31-3-91, 31-3-92 & 31-3-93.

[No. 50/15/92-CL. III]

DHARAM PAL, Under Socy.

गृह मंत्रालय

(राष्ट्रीय अपराधशास्त्र एवं विधि विज्ञान संस्थान)

नई दिल्ली, 22 जून, 1993

सा. का. नि. 358.—राष्ट्रीय अपराधशास्त्र एवं विधि विज्ञान संस्थान (गृह मंत्रालय) के निदेशक श्रीमती के. एन. रत्नमा, आशुलिपिक ग्रेड "ग", रा. अ. वि. वि. सं. को राष्ट्रीय अपराधशास्त्र एवं विधि विज्ञान संस्थान में दिनांक 17-5-1993 (पूर्वान्धि) से 2000-60-2300-द. रो.-75-3200 रुपये के बेतनमान में पदोन्नति पर बरिष्ठ वैयक्तिक महायक के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. बरिष्ठ वैयक्तिक महायक के पद पर उनकी पदोन्नति होने की तारीख से वे दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगी।

[सं.—4/18/84—रा. अ. वि. वि. सं.]
एल. सी. अमरनाथन, निदेशक

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(National Institute of Criminology and Forensic Science)

New Delhi, the 22nd June, 1993

G.S.R. 358.—Director, National Institute of Criminology and Forensic Science (MHA) is pleased to appoint Smt. K. N. Ratnamma, Stenographer Grade 'C', NICFS as Senior Personal Assistant in the National Institute of Criminology and Forensic Science on promotion in the scale Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200/- w.e.f. 17-5-93 (F. N.).

2. She will be on probation for a period of two years from the date of her promotion to the post of Sr. Personal Assistant.

[No. 4/18/84-NICFS]
L. C. AMARNATHAN, Director

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

केन्द्रीय बौद्धिक बोर्ड

नई दिल्ली, 23 जून, 1993

सा. का. नि. 359 :—केन्द्रीय बौद्धिक बोर्ड,
भारतीय बौद्धिक अधिनियम, 1923 (1923 का 5)
1428 GI/93—2

की धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, धारा 31 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार, भारतीय बौद्धिक विनियम, 1950 में और संशोधन करने का प्रस्ताव करता है। प्रस्तावित विनियमों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है जिनके इनसे प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा सूचना दी जानी है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाशन की नियम और इसके सर्वसाधारण को उपलब्ध होने के 45 दिन की अवधि की मापदंडित पर विचार किया जायेगा।

इस प्रकार विनियम श्रवण की समाप्ति के पूर्व, उक्त प्रारूप के संबंध में किसी भी व्यक्ति में प्राप्त आक्षेप या सुझाव पर केन्द्रीय बौद्धिक बोर्ड द्वारा विचार किया जाएगा। उक्त आक्षेप या सुझाव सचित्र, केन्द्रीय बौद्धिक बोर्ड, उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग), उद्योग भवन, नई दिल्ली — 110011 के नाम भेजें।

मसौदा विनियम

1. (1) इन विनियमों को इंडियन बौद्धिक (तृतीय संशोधन) रैग्लेशन, 1993 कहा जायेगा।

(2) वह राजपत्र में प्रकाशन की तिथि में नागू होगी।

2. इंडियन बौद्धिक रैग्लेशन, 1950 (जिन्हें तरस्तात् उक्त रैग्लेशन कहा जाएगा) में रैग्लेशन 2 में,—

(क) कलाज (सी) के उपरान्त, निम्नलिखित कलाज जोड़ी जायेगी, अर्थात् :—

(सी सी) गणना दबाव, बायलर के सम्बन्ध में, का अर्थ होगा कि किसी भाग के डिजाइन दबाव में दबाव गिरने व इवीय दबाव की अधिकतम कठोर शर्तों के अनुसार दबाव में गिरावट ने हिसाब में रखते हुए समायोजन किया द्वारा दबाव।

(ख) कलाज (डी डी) के उपरान्त, निम्नलिखित कलाज जोड़ी जायेगी, अर्थात् :—

"(डी डी डी) डिजाइन दबाव का अर्थ होगा,—

(ग) प्राकृतिक या महायना प्राप्त परिसंचारण वाले बौद्धिक बोर्ड के सम्बन्ध में, बौद्धिक बोर्ड के भाष प्राप्त में अधिकतम स्वीकार्य प्रचालन दबाव;

(ब) वन्म ध. बलपूर्वक परिसंचारण वाले बौद्धिक बोर्ड के सम्बन्ध में, सुपरहीटर के अन्तिम आप नियाम पर अधिकतम स्वीकार्य प्रचालन दबाव;

3. उक्त रैग्लेशन, में, रैग्लेशन 4 में, उन-रैग्लेशन (सी) में, पैरा (6) में, पैरा (ई) के स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

"(इ) हर दर्जे के इसात को तीन तापमानों पर, अर्थात् दी 22 दर्जे के इसात को 500 से., 550 से. व 600 से. परताया दी 12 दर्जे के

इस्पात को 460 मै., 500 मै. व 550 मै. और हर तापमान पर 1000, 3000 व 10000 घण्टे का विदार जीवन ने केलिये तीन दबाव स्तरों पर और उस कोड़/संहिता जिसके अनुसार इस्पात बनाया गया है की हर जांच स्थिति में दो नमूने लेने हुये जांच जायेगा।”

4. उक्त रैग्लेशन में, रैग्लेशन 4ए में, उप रैग्लेशन (3) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-रैग्लेशन जोड़ा जायेगा, अर्थात्:—

“(4) सुप्रसिद्ध इस्पात निर्माता, सुप्रसिद्ध पाईंग ट्यूब निर्माता, सुप्रसिद्ध फाडंयरी या फोर्ज के रूप में मान्यताप्राप्त करने की हच्छुक विवेशी कम्पनियों के मामले में भरे हुये प्रश्नमाला फार्म के साथ 10,000 डालर (दस हजार अमरीकी डालर) मात्र की मूल्क जमा करनी होगी। मूल्यांकन समिति शुल्क प्राप्ति के 120 दिनों के अन्दर मूल्यांकन करेगी।”

5. उक्त रैग्लेशन में, रैग्लेशन 7 के स्थान पर निम्नलिखित रैग्लेशन प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—

(ख) पंजीकरण की तिथि से बायलर के चालू रहने के हर 10 वर्षों के बाद प्रचालन दबाव निम्नलिखित रूप से कम कर दिया जायेगा:

पंजीकरण तिथि से बाद की अवधि

“7. मानक शर्तों से असंगत पर बॉयलर:—

जब मानक शर्तों का अनुपालन न किया गया हो बॉयलर के अवयवों का परिचालन दबाव इन विनियमों के बौद्धिक रिये हुए सूक्ष्मों के अनुमार गणित किये हुए दबाव से निम्नलिखित रूप में कम कर दिया जायेगा।

(ए) जब इन्सेक्टिंग अथार्टी का फार्म II में प्रमाण पत्र नहीं प्रस्तुत किया जाता — 10 प्रतिशत

(बी) जब इस्पात के जांच की कोई प्रमाण नहीं है — 15 प्रतिशत

7ए. पुराने शैल टाईप बॉयलर का पंजीकरण:—

(ए) (क) जहाँ पंजीकरण के लिये सभी अपेक्षित दस्तावेज नहीं प्रस्तुत किये जाते, बॉयलर के अवयवों का प्रचालन दबाव इन विनियमों में सूचि के अनुमार गणित किये हुए दबाव से पंजीकरण के समय 20 प्रतिशत कम कर दिया जायेगा।

सूचि से गणित प्रचालन के दबाव में कमी

10 वर्ष	20 प्रतिशत
20 वर्ष	40 प्रतिशत
30 वर्ष	50 प्रतिशत
40 वर्ष	60 प्रतिशत
50 वर्ष	70 प्रतिशत

(बी) जहाँ पंजीकरण के लिये अपेक्षित दस्तावेज प्रस्तुत किये जाते हैं, बॉयलर के अवयवों का परिचालन दबाव जैसा कि बॉयलर से गणित किया गया हो, ने बॉयलर (प्रयोग न किये गये बॉयलर) के पवर पंजीकरण की तिथि से निम्नलिखित रूप से कम कर दिया जायेगा:

बॉयलर की आय (प्रथम पंजीकरण

से) वर्षों में	25	35	45	50	60	70	70	90	100
प्रचालन दबाव में कमी (प्रतिशत)	5	10	15	20	30	40	50	60	70

6. उक्त रैग्लेशन में, रैग्लेशन 61 में, उपरेग्लेशन (ए) में, अंत में निम्नलिखित परन्तु जोड़ दिया जायेगा, अर्थात्:

“यद्यपि यदि ट्यूब की उपयुक्त विधि जैसे अल्टासानिक या/और ऐडी करंट विधि से अविघंसात्मक जांच की गई हो तो इन्सेक्टिंग अथार्टी द्वारा यह जांच छोड़ी जा सकती है।”

7. उक्त रैग्लेशन में, रैग्लेशन 1132 में, उप-रैग्लेशन (बी) के पश्चात् निम्नलिखित उप-रैग्लेशन जोड़ा जायेगा, अर्थात्:—

“बी बी (ज्वाला रहित बॉयलरों के निर्माण में; जब कि तश्तरी नुमा छोर तापन सतर का भाग नहीं है, प्राई एस 2825 के अनुरूप कोल्ड स्थान तश्तरी नुमा छोर प्रयोग में लाये जा सकते हैं।”

8. उक्त रैगूलेशन में रैगूलेशन 268 के स्थान पर, निम्नलिखित रैगूलेशन प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्:—

“268. निर्माता के कारबाहने में द्वितीय जांच:—

(ए) बायलर इम व डूसरे बेलनाकार अवयव जिनका आन्तरिक व्यास 600 मिलीमीटर से अधिक हो, निर्माता के कारबाहने में निर्माण पूरा होने पर इन्सैप्टिंग अथार्टी की उपस्थिति में, अधिकतम स्वीकार्य दबाव के $1\frac{1}{2}$ गुने दबाव पर बिना किसी कमज़ोरी और तुटि दिवाए, उनकी जांच की जायेगी।

(बी) ऐसे सभी अवयव जिन्हें बायलर में जोड़ने के बाद निरीक्षण के लिए यथोचित पहुंचा नहीं जा सकता या वैलिंग से पहले उस रैगूलेशन (ए) में दिए हुए दबाव से कम दबाव पर द्वितीय जांच की गई हो उनकी बायलर में जोड़े जाने से पहले अधिकतम स्वीकार्य प्रचालन दबाव के $1\frac{1}{2}$ गुना पर द्वितीय जांच की जायेगी।

(मी) नलिकादार उत्पाद जिन्हें वैलिंग से पहले बांछित दबाव पर द्वितीय जांच गया हो या अल्ट्रासानिक विधि से जांचा गया हो उनकी अवयव के रूप में और जांच नहीं की जायेगी बश्तै कि उन्हें जोड़ के दौरान परिधिधार बटु जोड़ जिन्हें वैल्ड किया गया हो और प्रासारिक उपरबंध के अनुसार अविधिवासात्मक जांचा गया हो,

(डी) नलिकादार उत्पादों से भिन्न डूसरे अवयवों की बायलर में जोड़ने से पहले द्वितीय जांच नहीं की जायेगी यदि संपूर्ण बायलर का अधिकतम प्रचालन दबाव के $1\frac{1}{2}$ गुना दबाव पर उपयोग स्थल पर द्वितीय जांचा जारी।

(ई) इमों के मामलों में ऐसे हैंडर जिनमें ट्यूब जोड़ी जायेगी, जांच ट्यूबों के लिये सुरक्षा बनाने से पहले परन्तु नाजन और वेसी फिटिंग जोड़ने के बावजूद की जायेगी।

(एफ) जांच दबाव को हर समय सही नियंत्रण में रखते हुये धीरे धीरे बढ़ाया जायेगा कि वह बांछित दबाव से 6 प्रतिशत से अधिक कभी न बढ़े और उस दबाव पर 30 मिनट के लिये रोका जायेगा जिसके उपरान्त दबाव को अधिकतम स्वीकार्य प्रचालन दबाव तक घटाया जायेगा और दबावयुक्त अवयवों में रिसाव का सही अवलोकन निरीक्षण के लिये प्रयोग समय तक बनाये रखा जायेगा।

(जी) दबाव जांच के लिए माध्यम के रूप में प्रयोग किये गये पानी का तापमान 20 डि. सै. से कम नहीं व 50 डि. सै. से अधिक नहीं होगा।

(एच) संघटित बनावट वाले इमों व रिविट किये हुये भागों व छोर वैल्ड किये हुए भागों की बिना जोड़ के फोर्ज किये हुये इम शैड जिसके छोर फ्यूजन वैल्ड से जोड़े गये हों, इनके मामले में जांच दबाव उतना ही होगा जितना फ्यूजन वैल्ड इम के लिये है।

(आई) यदि द्वितीय जांच वैल्ड किये हुये छोर में कुछ त्रुटि दर्शाये, तो जब तक इन्सैप्टिंग अथार्टी अनुमति नहीं दे इसकी मरम्मत नहीं की जायेगी।

(जे) इम जिसे पहले हीट ट्रीटमेंट द्वारा रिलीव किया गया हो, में सहमत मुरम्मत पूरी करने के उपरान्त, यदि इन्सैप्टिंग अथार्टी द्वारा बांछित हो, और हीट ट्रीटमेंट किया जायेगा और इम की दुबारा से द्वितीय जांच की जायेगी।

9. उक्त रैगूलेशन में, रैगूलेशन 310 में, रैगूलेशन (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपरेंगूलेशन प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्:—

“(1) स्प्रिंग में स्थाई सपोंडन (जिसे मुक्त ऊंचाई व स्प्रिंग को कमरे के तापमान पर प्री सैट कर तीन अतिरिक्त बार पूरा बनाने के दस मिन्ट बाद मापी गई ऊंचाई का अल्तर कहा जायेगा) मुक्त ऊंचाई के 0.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।”

10. उक्त रैगूलेशन में, रैगूलेशन 320 में,

(क) उपरैगूलेशन (ए) के स्थान पर निम्नलिखित उपरैगूलेशन प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्:—

“(ए) प्रत्येक बायलर में पानी बगनि के दो साधन होंगे जिनमें से एक परंपरागत गेज रलास होगा। बश्तै कि 3 फुट से कम व्यास वाले बायलर इम जिन में दो जल गेज लगाना कठिन हो, के मामले में दो जांच टोटी और एक शीशे का जल गेज लगाया जायेगा।”

(बी) उपरैगूलेशन (बी) को हटा दिया जायेगा।

(सी) उप रेग्लेशन (सी) व (डी) को क्रमशः उप-रेग्लेशन (बी) व (सी) पुनर्आकित किया जाएगा।

(डी) इस प्रकार पुनर्आकित उप रेग्लेशन (बी) में,—

(i) अंक व शब्द "2 इंच" के स्थान पर, अंक व शब्द "50 मिलीमीटर" प्रतिस्थापित किया जायेगा;

(ii) अंत में निम्नलिखित जोड़ा जायेगा, अर्थात्:—

"गेज गलास के दिखाई देने वाले भाग की न्यूनतम लम्बाई 200 मिलीमीटर होगी। निर्माता राज्य के मुख्य निरीक्षक निदेशक बायलर द्वारा बायलर की क्षमता को देखते हुये सम्भाई बढ़ाई जा सकती है।"

11. उक्त रेग्लेशन में, रेग्लेशन 357 में, उप रेग्लेशन (बी) में,—

(ए) शब्दों व अंकों "आकृति संख्या 28 से 34" के स्थान पर, शब्द व अंक "आकृति संख्या 28 से 34 ए" प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

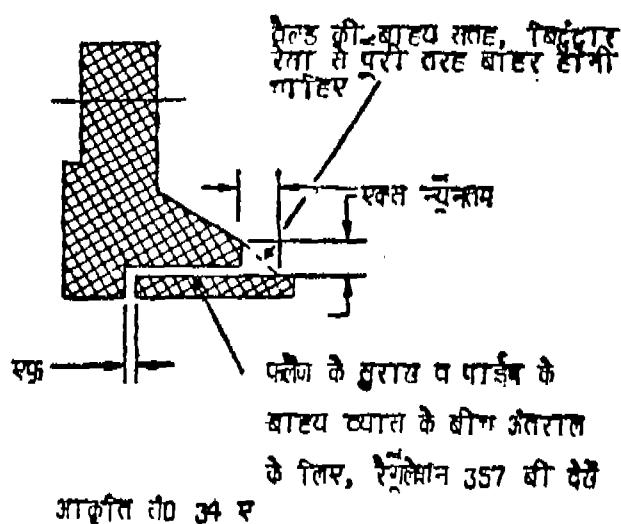
(बी) किस्म 7 व इसमें सम्बंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित जोड़ा जायेगा, अर्थात्:—

"8, सौकेट बैल्ड फ्लैंज आकृति 34 ए"

(सी) डिजाइन स्थितियों में, अंत में निम्नलिखित जोड़ा जायेगा, अर्थात्:—

"किस्म 8 सभी डिजाइन व तापमान स्थितियों के लिये फ्लैंज, यह किस्म केवल 51 मिलीमीटर तक के नामिक वोर वाले पाईपों के लिये प्रयोग किया जायेगा। जहाँ तीव्र धरण या संक्षारण की संभावना हो यह फ्लैंज प्रयोग नहीं किये जायेंगे।"

(ड) आकृति 34 के पश्चात् निम्न आकृति निविष्ट की जायेगी, अर्थात्:—



एक स न्यूनतम =हब की मोटाई या 1.4 टी में से छाटा

टी=समीकरण 91 से निकाली गई पाईप की मोटाई

एफ=लगभग 1.6 मी मी (1/16 इंच) बैलिंग से पहले सकिट बैल्ड फ्लैंज

12. उक्त रेग्लेशन में, रेग्लेशन 376 में, उप रेग्लेशन (ई) के स्थान पर, निम्नलिखित उपरेग्लेशन प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्:—

"(ई) सामान्यता सेफटी वाल्व चैस्ट और बायलर में अधिक कोई ब्लेक फ्लैंज/प्लग निविष्ट नहीं की जायेगी और जहाँ निरीक्षक द्वारा इसकी स्वीकृति वी गई हो, अलेक फ्लैंज/प्लग को उसकी उपस्थिति में हटा दिया जायेगा।"

13. उक्त रेग्लेशन में, रेग्लेशन 379 में, उप रेग्लेशन (ए) के स्थान पर, निम्नलिखित उपरेग्लेशन प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्:—

"ए.(i) रेग्लेशन 381 की उप रेग्लेशन (ई) के उपबन्धों को देखते हुये प्रत्येक बायलर को स्थल पर निर्माण के बाद निरीक्षक की उपस्थिति में, फार्म II में इन्सपैक्टिंग अथार्टी द्वारा प्रमाणित अधिकतम प्रचालन दबाव के $1\frac{1}{2}$ गुना दबाव पर जांचा जायेगा व किसी दुर्बलता या कुटि से मुक्त पाये जाने पर, बायलर पर अंकित कर दिया जायेगा।"

(ii) यदि रेगूलेशन 268 के अनुसार बॉयलर के सभी अवयवों की निर्माता के कारबाने में द्वितीय जांच नहीं की गई हो, तो पूर्ण होने पर, बॉयलर को अधिकतम प्रचालन दबाव के $\frac{1}{2}$ गुना दबाव पर आंचा जायेगा।

(iii) जांच भाध्यम के रूप में प्रयोग किये जाने वाले जल का तापमान 20 डि. सेटीग्रेड से कम नहीं व 50 डि. सेटीग्रेड से अधिक नहीं होगा।

(iv) परीक्षण दबाव को हर समय नियंत्रण में रखते हुये धीरे-धीरे बढ़ाया जायेगा कि यह बांछित दबाव के 6 प्रति शत ज्यादा में अधिक न बढ़े और उसे 30 मिनट तक उसी दबाव पर रखा जायेगा जिसके पश्चात् दबाव को अधिकतम प्रचालन दबाव तक घटाया जायेगा और उसे दबाव अवयवों की मूल्य दृश्यमान निरीक्षण के निये प्रपञ्च समय तक बनाये रखा जायेगा।

14. उक्त रेगूलेशन में, रेगूलेशन 382 के उपर रेगूलेशन (ए) में, अपने विशिष्ट अक्षरों के साथ राज्यों/संघ अंतर्गत की सूची में,

“मनीपुर एम.ए.” प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि निविष्ट की जायेगी, अर्थात्:
“मध्यालय एम एल”

15. उक्त रेगूलेशन में, रेगूलेशन 388 के स्थान पर, निम्नलिखित रेगूलेशन प्रतिस्थापित किया जाएगी, अर्थात्:—

“388 निरीक्षण पत्रक पुस्तिका व पंजीकरण पुस्तिका का हस्तांतरण:— किसी बॉयलर के एक राज्य से दूसरे राज्य में से जाये जाने की दशा में, निरीक्षण पत्रक पुस्तिका व पंजीकरण पुस्तिका के हस्तांतरण के लिये निम्नलिखित कार्यविधि अपनाई जायेगी:—

(ए) भाँग करने पर, ग्राहक को हस्तांतरक राज्य द्वारा रिकार्ड की उपलब्धता के विषय में पंद्रह दिन के अन्दर सूचना दी जायेगी।

(बी) हस्तांतरी राज्य द्वारा की गई भाँग की प्राप्ति के 60 दिन के अन्दर हस्तांतरक राज्य द्वारा रिकार्ड हस्तांतरी राज्य को भेज दिये जायेंगे।

(सी) जैसा कि ऊपर निर्दिष्ट किया गया है यदि रिकार्ड प्राप्त नहीं किये जाते, मामला तकनीकी सलाहकार (बॉयलर) की आनकारी में लाया जायेगा जो कि मामले को समबद्ध प्राधिकारी के साथ उठायेगा।

(डी) यदि रिकार्ड विल्कुल भी प्राप्त नहीं होने, केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड से निष्कासन के पश्चात् हस्तांतरी द्वारा नया पंजीकरण अंक दे दिया जायेगा।”

16. उक्त रेगूलेशन में, रेगूलेशन 391ए के स्थान पर, निम्नलिखित रेगूलेशन प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“391ए. बॉयलर का काल प्रभावन:—

(अ) शैल टाईप बॉयलर :

(i) बॉयलर पर आयु के प्रभाव को देखते हुए, इन रेगूलेशन में दिये गये सूतों से निकाले गये अवयवों के प्रचालन दबाव को भी दी गई तालिका के आधार पर कम कर दिया जायेगा :—

तालिका

बॉयलर की आयु (वर्षों से अधिक)	25	35	45	50	60	70	80	90	100
अधिकतम स्वीकृत प्रचालन दबाव (प्रतिशत)	95	90	85	80	70	60	50	40	30

(ii) उन बॉयलरों को जिनकी प्लेटें इस रेगूलेशन की रेगूलेशन 7 के अंतर्गत काटी व जांची जा चुकी हैं बॉयलर की जांच की तिथि से 50 साल की और अधिक प्रदान की जायेगी। प्रचालन दबाव जो जांच के पश्चात् स्वीकार किया जायेगा, निम्नलिखित तालिका के अनुसार घटा दिया जायेगा :

तालिका

जांच के बाद की अवधि (बर्षों में)	10	20	30	40	50
अधिकतम स्वीकार्य दबाव (प्रतिशत)	90	80	70	50	30

(ब) बाटर ट्यूब बॉयलर

(i) बॉयलर जो 400 डी. सीटीग्रेड और इससे अधिक पर काम करते हैं, सभेत यूटीलिटी औद्योगिक बॉयलर के, और श्रीप श्रेणी में काम करने वाले सभी बॉयलर अवयवों को 100,000 घंटों तक काम करने के पश्चात्, अवयवों की शेष आयु जानने के लिये अधिकार्यसक जांच की जायेगी।

(ii) 25 वर्ष की आयु होने पर बॉयलर के अवयवों को उनकी शेष आयु जानने के लिए जांचा जायेगा। यदि केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार परिणाम स्वीकार्य हों तो बॉयलर की आयु और 10 वर्ष या शेष जीवन मूल्यांकन संगठन द्वारा सिफारिश की गई इससे कम अवधि के लिये मुख्य निरीक्षक बॉयलर द्वारा प्रमाण पत्र जारी किया जायेगा। तथ्यस्चात् यह मूल्यांकन बॉयलर और शेष जीवन व इसमें बड़ोतरी के क्षेत्र में कार्य कर रहे संगठन द्वारा हर पांच वर्ष बाद किया जायेगा जबकि ऐसे संगठन को केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड से मान्यता प्राप्त हो। ऐसा संगठन तकनीकी सलाहकार (बॉयलर) के कार्यालय के साथ शेष जीवन मूल्यांकन व बड़ोतरी के क्षेत्र में निकट समन्वय से काम करेगा। ऐसे बॉयलरों का प्रचालन दबाव ऐसी मान्यताप्राप्त संस्था की सिफारिश पर घटाया जा सकता है।"

17. उक्त रैगूलेशन में, रैगूलेशन 393 में,—

(i) उप रैगूलेशन (डी) में शब्द व संस्था "रैगूलेशन 385" के पश्चात् शब्द व संस्था "अधिकतम 20000 रु." जोड़े जायेंगे।

(ii) उप रैगूलेशन (डी) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-रैगूलेशन जोड़े जायेंगे, अर्थात् :—

(ई) एक विद्यमान बॉयलर में संशोधन के सोटे विवरण या परिवर्तन दिखाने वाली व्यवस्था डाईंग, उस राज्य में, जहां बॉयलर में संशोधन या परिवर्तन का इरादा हो, के मुख्य निरीक्षक बॉयलर की स्वीकृति पर निर्भर होगी।

(एफ) यदि विस्तृत निर्माण डाईंग उस राज्य की इन्स्पैक्टिंग अधार्टी द्वारा, जहां कि अवयव बनाये जायेंगे या निरीक्षित किये जायेंगे, स्वीकृत की गई हों तो उप-रैगूलेशन (ई) के श्रेष्ठ से अनुपालन की आवश्यकता नहीं है।

18. उक्त रैगूलेशन में, रैगूलेशन 395 ए में, उप रैगूलेशन (3) के स्थान पर, निम्नलिखित उप रैगूलेशन प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(3) ट्यूब और पाइप के निरीक्षण के लिये, शुल्क 100 रु. प्रति मीट्रिक टन या उसके भिन्न के आधार पर समाई किया जाएगा"।

19. उक्त रैगूलेशन में, रैगूलेशन 395 सी में, उप रैगूलेशन (1) के स्थान पर, निम्नलिखित उप रैगूलेशन प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

"(1) बास्टों के लिये, न्यूनतम निरीक्षण शुल्क 300 रु. प्रति निरीक्षण होते हुए, निरीक्षण शुल्क आधार पर समाई जायेगी :—

(ए) 25 मिलीमीटर तक	5 रु. प्रति वाल्व
(बी) 25 मिलीमीटर से अधिक व 50 मिलीमीटर तक	10 रु. प्रति वाल्व
(सी) 50 मिलीमीटर से अधिक व 100 मिलीमीटर तक	20 रु. प्रति वाल्व
(डी) 100 मिलीमीटर से अधिक व 250 मिलीमीटर तक	100 रु. प्रति वाल्व
(ई) 250 मिलीमीटर से अधिक	200 रु. प्रति वाल्व

20. उक्त रैग्लेशन में, रैग्लेशन एक के पश्चात्, निम्नलिखित रैग्लेशन निविदिष्ट की जायेगी, अर्थात् :—

"395 जी. अतिरिक्त पुजों व छोटे भागों की निरीक्षण शुल्क :—

अतिरिक्त पुजों व छोटे भागों के निरीक्षण के लिये शुल्क निम्न आधार पर लगाई जायेगी :—

(ए) बाह्य सतह का क्षेत्रफल 10 वर्ग फुट (0.93 वर्ग मीटर) से अधिक न होने पर _____ 300 रु.

(बी) बाह्य सतह क्षेत्रफल 10 वर्ग फुट (0.93 वर्ग मीटर) से अधिक परन्तु 30 वर्ग फुट (2.79 वर्ग मीटर) से अधिक नहीं _____ 400 रु.

(सी) बाह्य सतह का क्षेत्रफल 30 वर्गफुट (2.79 वर्गमीटर) से अधिक परन्तु 50 वर्गफुट (4.65 वर्गमीटर) से अधिक नहीं _____ 450 रु.

(डी) बाह्य सतह क्षेत्रफल 50 वर्गफुट (4.65 वर्गमीटर) से अधिक परन्तु 70 वर्गफुट (6.50 वर्गमीटर) से अधिक नहीं _____ 550 रु.

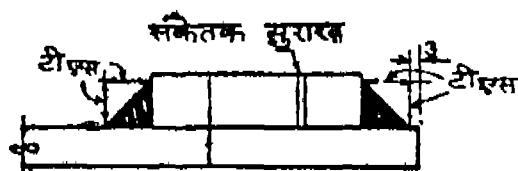
(ई) बाह्य सतह क्षेत्रफल 70 वर्गफुट (6.50 वर्गमीटर) से अधिक परन्तु 90 वर्गफुट (8.36 वर्गमीटर) से अधिक नहीं _____ 650 रु.

(एफ) बाह्य सतह क्षेत्रफल 90 वर्गफुट (8.36 वर्गमीटर) से अधिक परन्तु 110 वर्गफुट (10.22 वर्गमीटर) से अधिक नहीं _____ 750 रु."

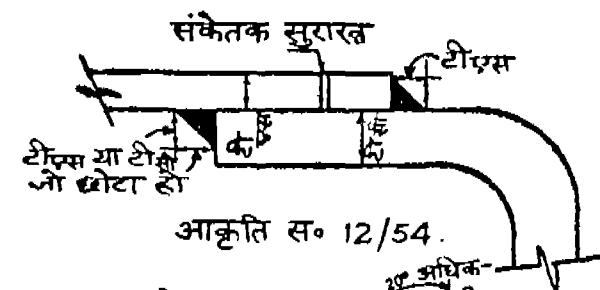
21. उक्त रैग्लेशन में, रैग्लेशन 545 में, उप रैग्लेशन (सी) के पश्चात्, निम्नलिखित उप रैग्लेशन निविष्ट की जायेगी, अर्थात् :—

(सी सी) ज्वासा रहित बॉयलर के निर्माण में जब की तश्तरीनुमा किनारे गरम करने वाली सतह का भाग नहीं हो पाई. ऐस. 2825 के अनुरूप कोल्ड स्पन तश्तरीनुमा किनारे प्रयोग किये जा सकते हैं।

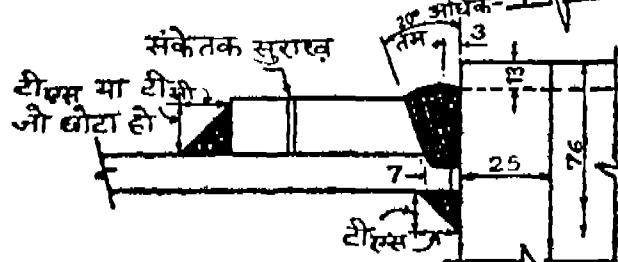
22. उक्त रैग्लेशन में रैग्लेशन 554 में, आकृति संख्या $12/53$, $12/54$ व $12/56$ के स्थान पर निम्नलिखित आकृतियां प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—



आकृति सं. 12/53



आकृति सं. 12/54.



आकृति सं. 12/56
(माप मिलीमीटरों में)

23. उक्त रैगूलेशन में, देखूलेशन 611 में, उग रैगूलेशन (ए) में, शब्द “एक्सरे” के स्थान पर, शब्द “विकिरण-चित्रण” प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

24. उक्त रैगूलेशन में, इस्पात निर्माता के प्रमाण-पत्र से सम्बद्ध फार्म' 4 में, “हम एतद्वारा प्रमाणित करते हैं” में शुरू होकर और “मानकों के अनुसार सन्तोषजनक रूप से जांचा गया है” में समाप्त होकर, के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“हम एतद्वारा प्रमाणित करते हैं कि नीचे दिया हुआ द्रष्ट्य में,

द्वारा विधि में मानक के अनुसार बनाया गया है और द्वारा रोल किया गया है और हमारे जांच शाला के प्रबन्धक या उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति में निर्दिष्ट जांचों व गुंजाइशों के अनुसार सन्तोषजनक रूप से जांचा गया है उन यांत्रिक बार/स्कैल्स, बिलेट और गम्बं रोल की हुई पत्तियों, जिन पर उसी निर्माता द्वारा ट्यूब/पाईप बनाने के लिये और काम किया जाना है, इस्पात निर्माता द्वारा भौतिक गुण देना बांधित नहीं है।”

25. उक्त रैगूलेशन में, परिशिष्ट जे के स्थान पर, निम्नलिखित परिचिष्ट प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“परिशिष्ट जे

निर्माण के दौरान बौयलर का निरीक्षण व जांच

सामान्य

इन्सर्वेक्टिंग अथार्टी का निर्माता के कारखाने पर सभी उचित समयों पर पहुंच होगी और वह बौयलर निर्माण के न्यूनतम निम्नलिखित घरणों पर निरीक्षण करेगी व किसी अवयव को जो भारतीय बौयलर विनियम, 1950 की अपेक्षाओं का अनुपालन महीने करता, अस्वीकार कर सकती है। किसी शंका की स्थिति में, इन्सर्वेक्टिंग अथार्टी नीचे दिये गये निर्दिष्ट घरणों के अतिरिक्त अन्य किसी घरण में जांच कर सकती है। निर्माता इन्सर्वेक्टिंग अथार्टी/इन्सर्वेक्टिंग अधिकारी को हर घरण पर पहुंचने से न्यूनतम 4 कार्य दिवस पहले सूचना देता। किसी भी घरण पर निरीक्षण करने से पहले इन्सर्वेक्टिंग अथार्टी/इन्सर्वेक्टिंग अधिकारी बूद को सन्तुष्ट कर देता है कि परीक्षण उपकरण/यंत्र ठीक से अंकोनान कर रहिये रहे हैं।

निर्माण के दौरान निरीक्षण

प्रत्येक बौयलर निर्माण के दौरान इन्सर्वेक्टिंग अथार्टी द्वारा नामित इन्सर्वेक्टिंग अधिकारी के द्वारा निरीक्षित किया जायेगा। यह सुनिश्चित करने के लिये कि द्रष्ट्य, बमावट व जांच इन विनियमों की अपेक्षाओं के अनुरूप हैं प्रत्येक निरीक्षण किया जायेगा।

निर्माण के दौरान निरीक्षण के घरण

ए. शैल टाईप बौयलर

- (ए) (i) प्लेट पर लगे पहचान चिह्नों को प्लेट निर्माता के प्रमाण-पत्र में अंकित चिह्नों से मिलान की जिये;
- (ii) प्लेट से निर्माता के प्रमाण पत्र में दिये हुये यांत्रिक व रसायनिक गुणों के परिणामों को भारतीय बौयलर विनियम, 1950 की अपेक्षाओं के विरुद्ध जांच की जाये;
- (iii) मूल घेट या घेटों से काटने से पहले परीक्षण घेटों की पहचान के लिये अंकन के माध्यी रहिये।
- (बी) जब शैल घेट और छोर घेटों, घेटों के किनारे वैलिंग के लिये तैयार करके, बनाई गई हों और जांच घेटों जोड़ी गई हों—
- (सी) जब भूष्य बेलनाकार शैल की वैलिंग पूरी होती है और गोलाई के लिये जांचा जाता है;
- (दी) विकिरण चित्र और/या अविध्वंसात्मक परीक्षण के परिणाम की परीक्षा करना;
- (ई) जब सुराख तैयार कर लिये गये हों और स्टेंड पाईप और समस्य जोड़, समेत छोर घेटों के, अपने स्थान पर टैक वैल्ड किये गये हों और उसके पश्चात् पूरा होने की स्थिति में;

(एफ) जब इम या शैल की वैलिंग पूरी हो और हीट-ट्रीटमेंट का रिकार्ड जांचों को जब कि इन विनियमों के अन्तर्गत हीट-ट्रीटमेंट बांधित हो;

(जी) जब वैल्ड जांच के नामे बांधित जांच को मार्की करने के लिये पहले में चुने हुये परीक्षण प्लेट से बनाये गये हों;

(एच) द्रवीय जांच के दोगन, तत्पश्चात् बाह्य व आंतरिक जांच व मुहर लगाना।

(बी) वाटर ट्यूब बॉयलर

1. वैल्ड किये हुए इम व हैंडर

(ए)(i) जब बॉयलर निर्माता के कारबाने पर प्लेटों पहचान के लिये प्लेट मिल प्रमाण-पत्र के साथ तैयार हों और बेलना-कार रूप दिये जाने के लिये धाप की काट कर तैयार की जाती हों;

(ii) प्लेट बिछाने और काटने में, प्लेट पहचान चिह्न ऐसी स्थिति में होगा कि बॉयलर अवश्य बनने के बाद साफ से दिखाई दे। यदि प्लेट का पहचान चिह्न अपरिहार्यता से काट दिया जाता है, इसे निर्माता द्वारा इन्सपैक्टिंग अथार्टी की संवृद्धि के अनुसार अवश्य के किसी दूसरे भाग पर स्थानांतरित कर दिया जायेगा;

(iii) यदि उत्पादन वैल्ड जांच बांधित हो तो इन्सपैक्टिंग अथार्टी वैल्ड जांच प्लेट द्रव्य का निर्धारण करेगी।

(बी) जब प्लेट बैलिंग के लिये किनारे बनाकर बेलनाकार रूप देने के लिये बनाई जाती हों और वैलिंग शुरू करने लिये व जांच प्लेटों जोड़ने के लिये तैयारी की अवस्था में रखी गई हों;

(सी) जब मुख्य बेलनाकार शैल की वैलिंग पूरी हो गई हो यैल गोलाई के लिये जांचा जाये और विकिरणीय या अल्ट्रासैनिक जांच रिपोर्ट/रिकार्ड जांच के लिए उपलब्ध कराये जाते हों।

(डी) जब छोर की प्लेट मिल प्रमाण-पत्र के साथ पहचान के लिये तैयार हों, बैल्ड किनारे तैयार करके आकार में बनाये गये हों और बैलनाकार शैल पर लगा कर परिधिक बैलिंग के लिये तैयार कर लिये गये हों।

(ई) जब इम या हैंडर पर छोर की प्लेटों की वैलिंग पूरी हो और विकिरण चिन्ह या अल्ट्रासाउंड परीक्षण रिकार्ड जांच के लिये उपलब्ध हों।

(एफ) जब प्रत्येक इम या हैंडर को अतिपूरक प्लेट और अटैचमेंट लगाने को तैयार किया गया हो और जब हर प्रकार के शाक्त्र या ट्यूब स्टब के कम से कम 10 प्रतिशत को बैलिंग के लिये तैयार किया जाये;

(जी) जब प्रत्येक इम या हैंडर पर सारी वैलिंग हो जाये इन्सपैक्टिंग अथार्टी हीट ट्रीटमेंट का रिकार्ड जांचियों और परीक्षण प्लेट से बनाने और जांचने के लिये नमूने के लिये निशान लगाये जायेंगे।

(एच) द्रवीय जांच पर तत्पश्चात् बाह्य और आंतरिक जांच व परीक्षा और मुहर लगाना। 50 मिलीमीटर से ऊपरे एलाई इस्पात के इम और 100 मिलीमीटर से ऊपरे हाई कार्बन इस्पात के इमों नांजल और स्टब बैल्ड पर तनाव मुक्ति के बाद और अविघ्वसानमक जांच की जायेगी;

(आई) कोई इम जिसमें द्रवीय जांच के बाद मुराख बनाये गये हों यह कार्य पूरा होने पर निर्माता के कारबाने से भेजने से पहले फिर से जांचा जायेगा।

मी. जोड़ग्रहित इम और हैंडर

(1) जब द्रव्य इस्पात निर्माता के उत्पादन व जांच प्रमाण-पत्रों के साथ पहचान के लिये तैयार हों, तब भी जब प्रत्येक सिनेंडर बनाये जाने के लिये तैयार हों, या अलग-अलग छोर अलोजर की वैलिंग पर और जांच प्लेट के द्रव्य की पहचान के लिये;

(2) जब प्रत्येक प्लेट शैल के इम या हैंडर को अतिपूर्ति प्लेट व अटैचमेंट लगाने को तैयार किया जाना है और स्टैंड पाइपों, ट्यूबों या ट्यूब स्टबों की स्रोतक मुख्य की वैलिंग के लिये तैयार लगाया जाता हो;

(3) जब प्रत्येक इम पर वैलिंग पूरी हो जाय व विकिरण चिन्ह या अल्ट्रासोनिक जांच रिकार्ड उपलब्ध हों तो इन्सपैक्टिंग अथार्टी हीट ट्रीटमेंट का रिमार्ड जांचियों और परीक्षण प्लेट से जांच के लिये नमूनों पर निशान लगायेंगी;

(4) द्रवीय जांच पर तत्पश्चात् बाह्य व आंतरिक जांच पर मुहर लगाना। हाई कार्बन या एलाई द्रव्य के मोटे इमों पर इम नांजल और स्टब बैल्ड पर तनाव मुक्ति के बाद और अविघ्वसानमक जांच की जायेगी।

टी. ट्यूब व श्रांतरिक पार्ईप

(ए) जब ट्यूब या टाईप ट्यूब निर्माता के प्रमाण पत्र बॉयलर निर्माता के कारखाने में पहचान के लिये तैयार हों और कम से कम 10 प्रतिशत ट्यूब या श्रांतरिक वैल्डिंग के लिये लगाये गये तैयार हों।

(बी) जब ट्यूब या पार्ईप और उनके एटेचमेंट की वैल्डिंग पूरी हो और अधिकांशात्मक जांच की रिपोर्ट/रिकार्ड जांच के लिये उपलब्ध हों।

ई. इन्सपैक्टिंग अथार्टी द्वारा इस्पात निर्माता/फाउन्ड्री/फोर्ज व पार्ईप और ट्यूब निर्माता के कारखाने पर किये जाने वाले निरीक्षण व जांच

1. इस्पात निर्माता का कारखाना

(ए) जब बिलेट, प्लेट, ऐंगल, बार या बॉयलर के निर्माण में प्रयोग किया जाने वाला कोई अन्य अवयव

(1) विनियमों के आधार पर इस्पात की रसायनिक जांच करना;

(2) यांत्रिक जांच के लिये नमूने पर निशान लगाना;

(3) अंतिम जांच।

टिप्पणी—ऊपर उल्लिखित किसी भी चीज के बाबजूद जहां इस्पात भारतीय बॉयलर विनियम के अन्तर्गत केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड से मान्यता प्राप्त सुप्रसिद्ध इस्पात निर्माता द्वारा बनाया गया हो यह जांचें इस्पात निर्माता द्वारा स्वयं की जायेंगी प्रमाण-पत्र जारी किया जायेगा व उनका रिकार्ड रखा जायेगा। ऐसे जारी किये गये प्रमाणपत्र आगे उपयोग के लिये इन्सपैक्टिंग अथार्टी द्वारा स्वीकार किये जायेंगे।

2. फाउन्ड्री/फोर्ज इकाईयां

जब बिलैट बार फोर्ज करने के लिये प्राप्त किये जायें व पहचान के लिये तैयार हो

(क) ढलाई/फोर्जिंग ब्रॉयलर की रसायनिक विश्लेषण;

(ख) ढलाई/फोर्जिंग के जांच नमूने पर निशान लगाना व यांत्रिक जांच।

टिप्पणी—ऊपर उल्लिखित किसी भी चीज के बाबजूद जहां ढलाई/फोर्जिंग भारतीय बॉयलर विनियम के अन्तर्गत केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त सुप्रसिद्ध फाउन्ड्री/फोर्ज द्वारा बनाये गये हों यह जांच फाउन्ड्री/फोर्ज द्वारा स्वयं की जायेंगी प्रमाण-पत्र जारी किया जायेगा व उनका रिकार्ड रखा जायेगा। ऐसे जारी किये गये प्रमाण पत्र आगे उपयोग के लिये इन्सपैक्टिंग अथार्टी द्वारा स्वीकार किये जायेंगे।

3. पार्ईप और ट्यूब निर्माता

(क) जब बिसेट, प्लेटें पहचान के लिये तैयार हों;

(ख) जब पार्ईप/ट्यूब व जांच के लिये तैयार हों; और प्रसामान्यीकरण के पश्चात् यांत्रिक जांच के लिये छुनना;

(ग) जब जांच नमूने के लिये तैयार हों;

(घ) जब पार्ईप/ट्यूब द्रवीय जांच या अधिकांशात्मक जांच के लिये तैयार हों।

टिप्पणी—ऊपर उल्लिखित किसी भी चीज के बाबजूद जब पार्ईप/ट्यूब भारतीय बॉयलर विनियम के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त पार्ईप/ट्यूब निर्माता द्वारा बनाई गई हों यह जांचें निर्माता द्वारा स्वयं की जायेंगी प्रमाण पत्र जारी किया जायेगा रिकार्ड रखा जायेगा। निर्माता द्वारा ऐसे जारी किये गये भारतीय बॉयलर विनियम 1950 के विहित फार्म में प्रमाण पत्र आगे उपयोग के लिये इन्सपैक्टिंग अथार्टी द्वारा स्वीकार किया जायेगा।

4. सविरंचन कर्ता के कारखाने में वस्तुओं के सविरंचन पर किये जाने वाले निरीक्षण व जांच

निर्माता के कारखाने में ट्यूब/पार्ईप से जोड़-नोड़ से या सविरंचन से बनाये जाने वाले अवयवों के लिये

(क) द्रव्य की पहचान;

(ख) मापों की जांच करना;

(ग) द्रवीय जांच

एफ. बाल्ब और माउन्टिंग

(ए) जब ढलाई पूर्व द्रव्य जांच व जांचों के लिये छुनाव के लिये तैयार हो;

(बी) जब जांच नमूने जांच के लिये तैयार हों;

(सी) भारतीय बॉयलर विनियम के अन्तर्गत वांछित अविध्वंसात्मक जांचें;

(दी) जब अधिकारों को मणीन किया और जोड़ा जाता है और इन्सैक्टिंग अधार्टी द्वारा अनुमोदित ड्राइंग के अनुसार साप जांचे जाते हैं;

(ई) अनुमोदित ड्राइंग के अनुसार द्रवीय जांच।

टिप्पणी—ऊपर उल्लेखित किसी भी चीज़ के बाबजूद, सुप्रसिद्ध फाउन्ड्री/फोर्ज शादि के मामले में निरीक्षण के पहले बोरण स्वयं काउन्ड्री/फोर्ज द्वारा किये जायेंगे, प्रमाण-पत्र जारी किया जायेगा व रिकार्ड रखा जायेगा। ऐसे जारी किये गये प्रमाण आगे प्रयोग के लिए इन्सैक्टिंग अधार्टी द्वारा स्वीकार किये जायेंगे।

[मिसिल संख्या 6(10)/92-बॉयलर]

विजय कुमार गोपल, सचिव

पाद टिप्पणी—मूल विनियम एस.आर.ओ. संख्या 600 दिनांक 15 सितम्बर 1950 से केवल अंग्रेजी में प्रकाशित किये गये थे व अन्तिम बार सा.का.नि. संख्या 178 व 179, भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3(i) दिनांक 24 मार्च 1990 से संशोधित किये गये।

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)
(Central Boilers Board)

New Delhi, the 23rd June, 1993

G.S.R. 359.—The following draft of certain regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, which the Central Boilers Board proposes to make in exercise of the powers conferred by section 28 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923), is hereby published, as required by sub-section (1) of section 31 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of a period of 45 days from the date on which the copies of the Official Gazette in which this notification is published are made available to the public.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft within the period so specified will be considered by the Central Boilers Board. Such objections or suggestions should be addressed to the Secretary, Central Boilers Board, Ministry of Industry (Department of Industrial Development), Udyog Bhavan, New Delhi-110011.

DRAFT REGULATIONS

1. (1) These regulations may be called the Indian Boiler (Third Amendment) Regulations, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Boiler Regulation, 1950 (hereinafter referred to as the said regulations), in regulation 2,—

(a) after clause (c), the following clause shall be inserted, namely :—

“(cc)” calculation pressure”, in relation to a boiler, means the design pressure of

any part adjusted to take into account the pressure drops corresponding to the most severe conditions of pressure drop and hydraulic head;”

(b) after clause (dd), the following clause shall be inserted, namely :—

“(ddd) “design pressure” means,—

- (i) in relation to a natural or assisted circulation boiler, the maximum allowable working pressure in the steam drum of the boiler;
- (ii) in relation to a once through forced-circulation boiler, the maximum allowable working pressure at the final superheater steam outlet;”.

3. In the said regulations, in regulation 4, in sub-regulation (c), in paragraph (vi), in the Note, or paragraph (e), the following paragraph shall be substituted, namely :—

“(e) Each grade of steel is tested at three temperatures, namely 500°C, 550°C and 600°C for T 22 grade of steel and 460°C, 500°C and 550°C for T12 grade of steel and at three stress levels to give rupture lives of 1000, 3000, 10000 hours at each temperature and taking two specimens under each test condition in conformity with the Code/Specification to which the steel is made.”.

4. In the said regulations, in regulation 4A, after sub-regulation (3), the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

“(4) In case of foreign firms seeking recognition as “Wellknown Steel Maker”, “Well-known Pipe/Tube Maker”, “Wellknown Foundry” or “Well-known Forge”, a fee of \$ 10,000 (Ten Thousand US Dollars) only shall be deposited alongwith the complete questionnaire form. The Evaluation Committee

shall carry out the evaluation within 120 days of the receipt of the fees."

5. In the said regulation, for regulation 7, the following regulations shall be substituted, namely :—

"7. Boilers not in accordance with standard conditions :—

When the standard conditions are not complied with, the working pressure of the parts of the boiler as calculated from the formula specified in these regulations shall be reduced as follows :—

—(ii) The working pressure shall be further reduced after every 10 years of working of the boiler from the date of its registration as follows:

Period after the date of registration	Reduction in working pressure as calculated from the formula
10 Years	30%
20 Years	40%
30 Years	50%
40 Years	60%
50 Years	70%

(b) Where the requisite documents for registration are furnished, the working pressure of the parts of the boiler as calculated from the boiler shall be reduced as per the table given below from the date of first registration of the boiler (i.e. unused boilers):

TABLE

Age of the boiler (from the date of first registration) in years.	25	35	45	50	60	70	80	90	100
Reduction in working pressure	5%	10%	15%	20%	30%	40%	50%	60%	70%

6. In the said regulations, in regulation 61, in sub-regulation (a), the following proviso shall be added at the end, namely:—

"provided that the test may be dispensed with by the Inspecting Authority if the tube is subjected to non-destructive testing by an appropriate method like ultrasonic or./and Eddy current testing".

7. In the said regulations, in regulation 13, after sub-regulation (b) the following sub-regulation shall be inserted, namely:—

"(bb) In the construction of unfired boilers when the dished ends do not form a part of the heating surface, cold spun dished ends conforming to IS: 2825 may be used".

8. In the said regulations, for regulation 268. the following regulation shall be substituted, namely:—

"268. Hydraulic test at makers' works—

(a) Boiler drum and other cylindrical components having internal diameters greater than 600 millimetres shall be hydraulically tested on completion of manufacture at the makers' works in the presence of Inspecting Officer to $1\frac{1}{2}$ times the maximum permissible working pressure without indication of weakness and defects.

(b) All components which are not reasonably accessible for inspection after assembly into the boiler or have been tested hydraulically prior to welding at a pressure less than that specified in sub-regulation (a) shall be tested hydraulically to $1\frac{1}{2}$ times the maximum working pressure before assembly into the boiler.

(c) Tubular products that have been hydraulically tested to the required pressure prior to welding or ultrasonically tested shall not require further hydraulic testing as components provided they were joined during assembly by circumferential butt joint which have been welded and non-destructively tested as per relevant provisions, of these regulations.

(a) when the certificate in Form II from the Inspecting Authority is not furnished—10%

(b) when there are no proofs of tests of steel—15%

7A. Registration of second hand Shell Type Boilers.—

(a) (i) Where all the requisite documents for registration are not furnished, the working pressure of the parts of the boiler as calculated from the formula in these regulations shall be reduced by 20% at the time of registration.

(d) Components other than tubular products shall not require hydraulic testing before assembly into the boiler if the completed boiler is tested hydraulically to 1½ times the maximum permissible working pressure at site.

(e) In case of drums, headers which are to be fitted with tubes, the test may be made before drilling of tube holes but after attachments of nozzles and similar fittings.

(g) The test pressure shall be raised gradually under proper control at all times so that it is never exceeds by more than 6% of the required pressure and maintained for 30 minutes whereupon the pressure shall be reduced to maximum allowable working pressure and maintained for sufficient time to permit close visual inspection for leakages of the pressure parts.

(g) The temperature of water used as medium of pressure testing shall not be less than 20°C and more than 50°C.

(h) In case of drums of 'composite' construction and parts riveted and parts welded seams or seamless forged drum shall with ends attached by fusion welding, the test pressure shall be the same as for fusion welded drums.

(i) Should the hydraulic test reveal any defects in the welded seam, it shall not be repaired unless the Inspecting Authority permits to do so.

(j) On completion of agreed repairs to a drum which has previously been stress relieved by heat-treatment, further heat-treatment, if required by the Inspecting Authority, shall be done and the drums shall again be subjected to hydraulic test."

9. In the said regulations, in regulation 310, for sub-regulation (1), the following shall be substituted, namely
“(1)—The permanent set in the spring (defined as the difference between free height and height measured ten minutes after the spring has been compressed solid three additional times, after pre-setting at room temperature) shall not exceed 0.5% of the free height.”

10. In the said regulations, in regulation 320,—

(a) for sub-regulation (a), the following sub-regulation shall be substituted, namely —

“(a) Every boiler shall have two means of indicating the water in it of which one shall be conventional gauge glass.

Provided that in the case of boiler drums below 3 feet (91 cm) diameter where there is difficulty in fitting two water gauges two test cocks and a glass water gauge shall be fitted.”

(b) sub-regulation (b) shall be omitted;

(c) sub-regulation (c) and (d) shall respectively be renumbered as sub-regulations (b) and (c);

(d) in sub-regulation (b) as so re-lettered,—

(i) for the figure and word “2 inches”, the figures and word “50 millimetres” shall be substituted;

(ii) the following shall be added at the end, namely:—

“Minimum length of the visible portion of the gauge glasses shall be 200mms. The length may be increased depending upon the capacity of the boiler by the Chief Inspector/Director of Boiler of the manufacturing State.”.

11. In the said regulations, in regulation 357, in sub-regulation (b):—

(a) for words and figures “Figure Nos. 28 to 34”, the words and figures “Figure Nos. 28 to 34A” shall be substituted.

(b) after type ‘7’ and the entry relating thereto, the following shall be added, namely:—

“8, Socket welded flange Figure 34A.”.

(c) in the design conditions, the following shall be added at the end, namely:—

“Type 8 flanges for all design pressure and temperature conditions. This type shall be used only for pipes upto and including 51mms (2 inches) nominal bore. These flanges shall not be used where severe erosion or corrosion is expected to occur.”.

(d) after figure 34, the following figure shall be inserted, namely:—

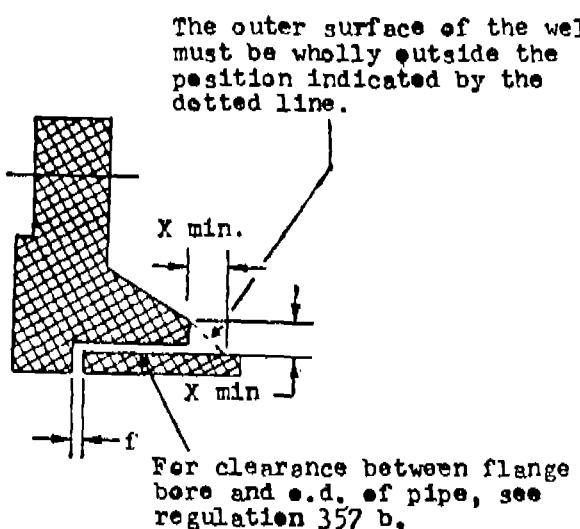


Figure No. 34A

$X \text{ min} = \text{the lesser of } 1.4t \text{ or the thickness of hub } t = \text{calculated thickness of the pipe derived from eqn. 91}$
 $f = 1.6\text{mm (1/16 inch) approximately before welding.}$

SOCKET WELDED FLANGE

12. In the said regulations, in regulation 376, for sub-regulation (e) the following sub-regulation shall be substituted, namely,—

“(e) No blank flange/plug shall be inserted between a safety valve chest and the boiler generally and where it is permitted by the Inspector the blank flange/plug shall be removed in his presence”.

13. In the said regulation, in regulation 379, for sub-regulation (a), the following shall be substituted, namely:—

- “(a) (i) Subject to the provisions of sub-regulation (e) of regulation 381, every boiler shall be hydraulically tested after erection at site in presence of the Inspector to $1\frac{1}{4}$ times the maximum working pressure as certified by the Inspecting Authority in form II, to be stamped on the boiler, as free from any indication of weakness or defects.
- (ii) If all components of the boiler in the manufacturer's premises have not been tested hydraulically as per regulation 268, the test, on completion, shall be taken to $1\frac{1}{2}$ times the maximum working pressure.
- (iii) The temperature of the water used as medium of pressure testing shall not be less than 20°C and greater than 50°C .
- (iv) The test pressure shall be raised gradually under proper control at all times so that it is never exceeds by more than 6% of the required pressure and maintained for 30 minutes whereupon the pressure shall be reduced to maximum allowable working pressure and maintained for sufficient time to permit close visual inspection for leakage of pressure parts”.

14. In the said regulations, in regulation 382, in sub-regulation (a), in the list of States/Union Territories with their distinguishing letter, after the entry

“Manipur.....MA”, the following shall be inserted, namely:—

“Meghalaya.....ML”.

15. In the said regulations, for regulation 388, the following regulation shall be substituted, namely:—

“388. Transfer of Memorandum of Inspection Book and Registration Book:—On a boiler passing from one State to another, the following procedure shall be adopted for transfer of Memorandum of Inspection Book and Registration Book:—

- (a) The purchaser shall, on request, be given the information by the transferer State regarding the availability of the records within fifteen days.
- (b) The records shall be sent by the transferer State to the transferee State within 60 days of the receipt of the request from the transferee State.
- (c) In case the records are not received as stipulated above, the matter shall be brought to the notice of the Technical Adviser (Boilers) who will take up the matter with the concerned authorities.
- (d) In case the records are not traceable at all, new Registration number shall be given by the transferee State after getting clearance from the Central Boilers Board.”

16 In the said regulations, for regulation 391A, the following regulation shall be substituted, namely:-
"391A Ageing of boilers:-

(a) Shell Type Boilers .

(i) In order to take the ageing effect on boilers, the working pressure of the parts of them as calculated from the formula in the these regulations shall be reduced as per the table given below:-

TABLE

Age of boiler exceeding (in years)	25	35	45	50	60	70	80	90	100
Maximum permitted working pressure percent	95	90	85	80	70	60	50	40	30

(ii) For these boilers the plates of which have already been cut and tested under regulations 7 and this regulation shall be given a further lease of life of 50 years from the date of the test of the boilers. The working pressure that shall be allowed after the testing shall be reduced as per the table given below..

TABLE

Period after date of test (in years)	10	20	30	40	50
Maximum working pressure allowed (Percentage)	90	80	70	50	30

(b) Water Tube Boilers:

- (i) The boilers which are operating at a temperature of 400°C and above including utility/industrial boilers and all boiler parts operating in the creep range of the boilers shall be non-destructively tested after they are in operation for 100,000 hours for assessment of the remanent life of the parts;
- (ii) The parts of a boiler when it completes a life of 25 year are to be tested for assessment of the remanent life of such parts. If results are acceptable as per the standard laid down by the Central Boiler Board a certificate shall be issued by the Chief Inspector of Boiler for extending the life of the boiler for a further period of 10 years or such less period as recommended by the Remanent Life Assessment Organisation. This assessment of remanent life shall be carried out thereafter every five years by the organisations working in the field of boilers and remanent life and extension thereof after such organisation is approved by the Central Boilers Board. Such organisation shall work in close coordination with the office of the Technical Adviser (Boilers) in the field of remanent life assessment and extension. The working pressure of such boilers may be reduced on the recommendations of such approved organisation."

17 In the said regulations, in regulation 393,—

(i) in sub-regulation (c), after the words and figures "regulation 385", the words and figures "subject to a maximum of Rs 20 000/- shall be added.

(ii) after sub-regulation (d), the following sub-regulations shall be added, namely:-

- "(e) The arrangement drawings showing the broad details of modifications or conversions of the existing boiler shall be subject to the approval of the Chief Inspector of Boilers of the State where the boiler is intended for modification or conversion is registered.
- (f) If the detailed manufacturing drawings are got approved by the Inspecting Authority of the State where parts will be manufactured and inspected, no separate compliance of sub-regulation (e) is required."

18 In the said regulations, in regulation 395A, for sub-regulation (3), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-

"(3) For inspection of tubes and pipes, the fees shall be charged at the rate of Rs 100/- per metric tonne or a fraction thereof"

19 In the said regulations, in regulation 395C, for sub-regulation (1), the following sub-regulation shall be substituted namely:-

"(1) Subject to a minimum inspection fee of Rs. 300/- per inspection for the valves, the inspection fee shall be charged as under:-

(a) Upto 25 mms	Rs 5/- per piece
(b) Above 25 mms and upto 50 mms	Rs 10/- per piece
(c) Above 50 mms and upto 100mms	Rs 20/- per piece
(d) Above 100 mms and upto 250 mms	Rs 100/- per piece
(d) Above 250 mms	Rs 200/- per piece "

20 In th said regulations, after regulation 395F, the following regulation shall be inserted, namely-

"395G Fee for inspection of spares and scantlings:-

The fees for inspection of spares and scantlings shall be charged as under:-

(a) For outside surface area not exceeding 10 sft (0.93 m^2).....	Rs 300/-
(b) For outside surface area exceeding 10 sft (0.93 m^2) but not exceeding 30 sft (2.79 m^2).....	Rs 400/-
(c) For OSA exceeding 30sft (2.79 m^2) but not exceeding 50 sft (4.65 m^2) but not exceeding Rs. 450/-	
(d) For OSA exceeding 50sft (4.65 m^2) but not exceeding 70 sft (6.50 m^2).....	Rs 550/-
(e) For OSA exceeding 70 sft (6.50 m^2) but not exceeding 90 sft (8.36 m^2).....	Rs 650/-
(f) For OSA exceeding 90 sft (8.36 m^2) but not exceeding 110 sft (10.22 m^2)	Rs. 75/-

21 In the said regulations, in regulation 454 after sub-regulation (3), the following sub-regulation shall be inserted, namely:-

"(cc) In the construction of unfired boilers when the dished ends do not form a part of the heating surface, cold spun dished ends conforming to IS : 2825 may be used"

22 In the said regulations, in regulation 554, for fixtures XII/53, XII/54, and XII/56, the following figures shall be substituted, namely:

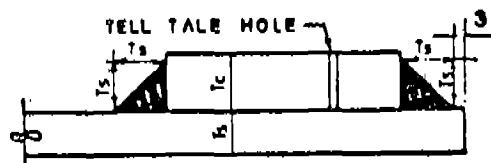


Figure No. XII/53

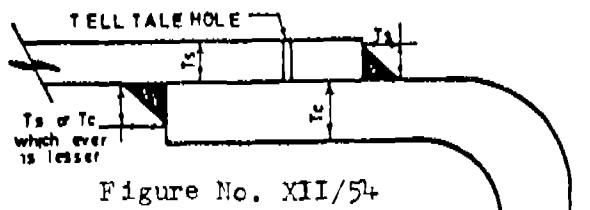


Figure No. XII/54

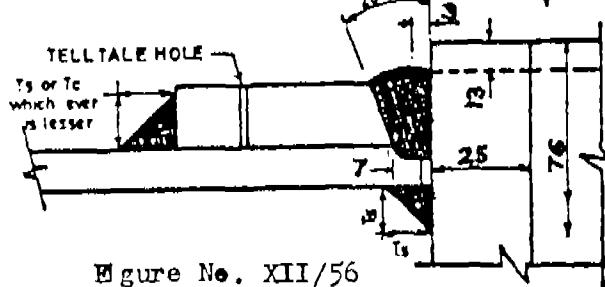


Figure No. XII/56

(DIMENSIONS IN MILLIMETERS)

23 In the said regulations, in regulation 611, in sub regulation (a), for the word "X-RAY", the word "radio-graphic" shall be substituted

24 In the said regulations in Form JV relating to the Steel Maker's Certificate, for the portion beginning with "we hereby certify that" and ending with "in accordance with the standards", the following shall be substituted, namely:

"We hereby certify that the material described below has been made by M/s by the process, as per specifications and rolled by and has been satisfactorily tested in the presence of our Test House Manager or his representative in accordance with the stipulate-tests and tolerances.

For gothic bars scelps, billets and hot rolled strips which are to be processed further by the same manufacturer for making tubes/pipes, the physical properties are not required to be mentioned by the steel manufacturer."

25 In the said regulations, for Appendix III, the following Appendix shall be substituted namely-

APPENDIX J

Inspection and Testing of Boilers during construction

GENERAL

The Inspecting Authority shall have access to the works of the manufacturer at all reasonable times and shall inspect the manufacture of the boiler at least at the following stages and may reject any part that does not comply with the requirements of the Indian Boiler Regulations, 1950. In case of any doubt, the Inspecting Authority may examine at any stage other than the stages stipulated below. The manufacturer shall give at least 4 working days' notice to the Inspecting Authority/Inspecting Officer before reaching each stage. Before undertaking any of the stage inspections, the Inspecting Authority/Inspecting Officer shall satisfy himself that the testing equipment/instrument has been properly calibrated.

Inspection during construction

Each boiler shall be inspected during construction by an Inspecting Officer nominated by the Inspecting Authority. Sufficient inspections shall be made to ensure that the materials, construction and testing conforms to the requirements of these regulations.

Stages of inspection during construction

A Shell Type Boilers

- (a) (i) Check the identification marking on the plate with those recorded on the plate makers' certificates;
- (ii) Check the reported result of the mechanical and chemical properties on the plate makers' certificate against the requirements of the Indian Boiler Regulations, 1950.
- (iii) Witness the marking of the test plats for identification before they are cut from the parent plate or plates
- (b) When the Shell plates and end plates have been formed with plate edges prepared for welding and test plates are attached;
- (c) When the welding of main cylindrical shell is completed and checked for circularity;
- (d) To examine radiographs and/or reports of non-destructive testing;
- (e) When openings have been prepared and stand pipes and similar connections including end plates have been tackwelded in position and subsequently on completion;
- (f) When welding of drum or shell is complete and to check the records of heat-treatment when heat treatment is required under these regulations;
- (g) When weld test specimens have been prepared from the test plate, previously selected to witness the required testing;
- (h) During hydraulic test, followed by external and internal examination and stamping.

B. Water Tube Boilers:

1. Welded drums and headers

- 'a) (i) When the plates are ready for identification with plate mill certificates at boiler makers' works and cut to size ready for forming to cylindrical shape;

- (ii) In laying out and cutting the plates, the plate identification mark shall be located so as to be clearly visible after the boiler part is completed. If the plate's identification mark is unavoidably cut out, it shall be transferred by the manufacturer to another part of the component to the satisfaction of the Inspecting Authority;
- (iii) The Inspecting Authority shall identify weld test plate material if production weld tests are required.
- (b) When the plates are formed to cylindrical shape with the edges prepared for welding and set up in readiness for commencement of welding and attachment of test plates.
- (c) When the welding of the main cylindrical shell is completed, the shell checked for circularity and the radiographic or ultrasonic test reports/records are available for scrutiny;
- (d) When the end plates are ready for identification with the mill certificate, formed to shape with weld edges prepared and set on to the cylindrical shell in readiness for the circumferential welding operation.
- (e) When the welding of the end plates to the drum or the header is complete and the radiographs or ultrasonic examination records are available for scrutiny;
- (f) When each drum or header is prepared to receive any compensation plates and attachments, and when at least 10% of each type of branch or tube stub is set up ready for welding ;
- (g) When all welding on each drum or header is complete, the Inspecting Authority will check the records of heat treatment, and mark off of specimens for preparation and testing from these plates;
- (h) At hydraulic test followed by external and internal examination and testing and stamping. On alloy steel drums thicker than 50 millimetres and high carbon steel drums thicker than 100 millimetres further non-destructive examination shall be done on drums, nozzle and stub weld after stress relief;
- (i) Any drum having tube holes drilled subsequently to the hydraulic test shall be further examined on completion of this work and prior to despatch from the manufacturers work.

C. Seamless Drums and Headers

- (a) When material is ready for identification with the steel maker's certificates of manufacture and test, also when each cylinder is prepared for forming, or welding of separate end closures and to identify test plate material;
- (b) When each plain shell drum or headers is prepared to receive compensation plates and attachments and a representative number of stand pipes, tubes or tube stubs, are set up ready for welding;
- (c) When all welding on each drum is complete and the radiographs or ultrasonic test records are available the Inspecting Authority shall check the record of heat treatment and the marking off preparation and testing of specimens from test plates;
- (d) At hydralulic test, followed by external and internal examination and stamping. On thick drums of high carbon or alloy material further non-destructive examination shall be done on drum nozzle and stub welds after stress relief.

D. Tubes and Internal Pipings.

- (a) When the tubes or pipes are ready for identification with the tube makers' certificate at the boiler makers' works and at least 10% of tubes and pipes are set up ready for welding;
- (b) When all welding of tubes or pipes and their attachments are complete and the non-destructive examination report/records are available for scrutiny.

E. Inspections and test to be carried out at Steel Makers' Works/Foundry/Forging Units and the pipe and tube makers' works by the Inspecting Authority:

1. Steel Makers' Works.

- (a) When the billets, plates, angle, bars or any other parts to be used in the construction of the boilers;
 - (i) checking of the chemistry of steel as per regulation;
 - (ii) marking the test specimen for the mechanical test;
 - (iii) Final testing.

Note:—Notwithstanding anything specified above where the steel is made by the Well-known Steel Maker as recognised under the Indian Boiler Regulations, 1950 by the Central Boilers Board, these tests will be carried out and certified by the Steel Makers themselves and the records maintained. The certificates so issued will be accepted by the Inspecting Authority for further use.

2. Foundry/Forging Units.

When billets bars for forging are received and ready for identification:

- (i) Chemical analysis of the casting/forging material.
- (ii) Marking and mechanical testing of the test specimen of castings/forgings.

Note:- Notwithstanding anything specified above, when the castings/forgings are made by well-known foundries/forging units as recognised under the Indian Boiler Regulations, 1950 by the Central Boilers Board then tests will be carried out and certified by the Foundries/Forgings themselves and all records are maintained properly. The certificates so issued shall be accepted by the Inspecting Authority for further use.

3. Pipe and Tube Makers;

- (a) When billets, plates are ready for identification;
- (b) When pipes/tubes are ready for examination; and selection of mechanical test after normalising;
- (c) When the test specimens are ready for testing;
- (d) When pipe/tubes are ready for hydraulic tests or the non-destructive examination.

Note:- Notwithstanding anything specified above when the pipes/tubes are manufactured by well-known pipes/tubes makers recognised under the Indian Boiler Regulations, 1950 by the Central Boilers Board, all the above stages of inspections shall be carried out and certified by the manufacturers of pipes and tubes themselves and records maintained. The certificates so issued by the manufacturers in the prescribed forms of Indian Boiler Regulations, 1950 shall be accepted by the Inspecting Authority for further use.

4. Inspection and tests to be carried out at the Fabricators' works for fabrication of items.

For parts manufactured from the tubes/pipes at the manufacturers' works either by manipulation or fabrication

- (a) Identification of materials;
- (b) Checking of dimensions;
- (c) Hydraulic test.

F. Valves and Mountings

- (a) When pre-casting materials are ready for examination and selection for tests;
- (b) When the test specimens are ready for test;
- (c) Non destructive testing as required under the Regulations;
- (d) When the parts are machined and assembled and are ready for dimensional check in accordance with the drawings approved by the Inspecting Authority.
- (e) Hydraulic test as per approved drawing.

Note:- Notwithstanding anything specified above, in case of well-known foundries/forges, etc., the first two stages of inspection will be carried out by the foundries/forges themselves, and certified and record maintained. The certificates so issued shall be accepted by the Inspecting Authority for further use".

[File No. 6 (10)/92-Boilers]
V.K. GOEL, Secy.

Footnote:- The principal regulations were published as S.R.O. No. 600, dated 15th September, 1950 and last amended vide G.S.R. Nos. 178 and 179 published in the Gazette of India Part-II, Section 3(i), dated 24th March, 1990.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 25 जून, 1992

सा.का.नि. 360.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय राजस्व रसायन सेवा (वर्ग 1 और वर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1966 को अधिकृत करते हुए, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के अधीन केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला में समूह "क" और समूह "ख" पदों की भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय राजस्व विवरण प्रयोगशाला (समूह "क" और समूह "ख" पद) भर्ती नियम, 1993 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना : ये नियम इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पदों को लागू होंगे।

3. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे, जो उक्त उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अन्य अर्हताएँ आदि : उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएँ और उनमें संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वीकृत अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निर्हताएँ : वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होसे हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पदों पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीकृति के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिखिन करने की शक्ति : जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह गति है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की आवश्यकता, आदेश द्वारा शिखिन कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति : इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षण, आयु सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जानियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम पदों की सं.	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों का अध्यवा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का अवधारणा के लिए विविध सेवा	7
1	2	2	4	5	6	
1. मुख्य रसायनश	1* (1992) *कार्यभाग ने	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'क', ग्रामपत्रिन	5900-200-6700 रुपये	चयन अध्यवा अवधारण पद	लागू नहीं होता जाने वाले व्यक्ति के लिए आयु सीमा (पेशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं	लागू नहीं होता
आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	अनुसूचित व्यक्ति और अन्य अर्हताएँ	अनुसूचित व्यक्ति और अन्य अर्हताएँ	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विविध आयु और शैक्षिक अर्हताएँ प्रोत्तु व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो		

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विविध आयु और शैक्षिक अर्हताएँ प्रोत्तु व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं

लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	कुछ नहीं
----------------	----------------	----------

भर्ती की पद्धति: भर्ती गीथे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिकिन्यों की प्रतिशतता।

11

प्रोन्नति द्वारा

टिप्पणि: 2000-2500-रु. के पुनरीक्षण-पूर्व बेतनमात्र में, जिसे चौथे बेतन आयोग द्वारा 5900-6700 रु. के पुनरीक्षण के पद के ऐसे नियमित पदधारी, जिसने इन नियमों की अधिसूचना का तारीख को या उससे पहले 2000-2500 रु. और/या 4500-5700-रु. बेतनमात्र में तीन वर्ष नियमित सेवा की पात्रता सेवा पूरी कर ली है पात्रता सेवा पूरी करने की तारीख से 5900-6700-रु. के पुनरीक्षण बेतनमात्र वाने पद पर नियुक्त किया गया समझा जाएगा।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिसमें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।

12

प्रोन्नति:

ऐसा उप मुख्य रसायनक जिसमें उस श्रेणी में आठ वर्ष नियमित सेवा की है जिसके अन्तर्गत आकृतिक चयन श्रेणी में यदि कोई हो, वो गई सेवा भी है।

13

(प्रोन्नति के संबंध में विवर करने के लिए)

समूह 'क' विभागीय प्राप्ति समिति :

1. अध्यक्ष/सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग—अध्यक्ष

2. सचिव (राजस्व) —सदस्य।

3. अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड—सदस्य।

4. सदस्य, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड (जो अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा नाम निर्दिष्ट किया जाएगा) —सदस्य।

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा।

14

संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक नहीं है।

1	2	3	4	5	6	7	
2. उप मुख्य रसायनक (1993)	8*	माधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'क', कार्यभार के शाधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	माधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'क', गजपति, अनन्तुमन्त्रिय के बेतनमात्र में दो पद।	3700-125-4700- 150-5000 रु. और 4500- 150-5700 रु. के बेतनमात्र में	चयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
*							

टिप्पणि: उप मुख्य रसायनक के बेतनमात्र में श्रृंखलिक चयन श्रेणी के पद के रूप में माने जाएंगे। इन पदों पर नियुक्ति, उप मुख्य रसायनक के पद के ऐसे नियमित पदधारियों में, जिन्होंने उस श्रेणी में चार वर्ष नियमित सेवा पूरी कर ली है, आकृतिक चयन श्रेणी में नियुक्ति के लिए चयन संबंधित मार्गदर्शक भिड़ान्तों का अनुमति करते हुए ज्येष्ठता सह-उपयुक्तता के शाधार पर की जाएगी। (विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखित होंगी:—

(1) अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद-
शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड

(2) सदस्य, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड (जो अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जायेगा) और (3) मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोग-धाला)।

8

लागू नहीं होता

9

लागू नहीं होता

10

कुछ नहीं

11

12

प्रोमोशनि द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक सविदा भी है)।

प्रोमोशनि:

ऐसा रसायन परीक्षण श्रेणी-J, जिसके उम्मीदों में पांच वर्ष नियमित सेवा की है।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक सविदा भी है)

केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों/प्रदिलक सेक्टर उपकरणों/विश्वविद्यालयों/अनुसंधान संस्थानों/अर्ह-सरकारी स्व-एसोसिएशनों के टेसे अधिकारी

(क) (i) जो नियमित आधार पर सदृश पद धारण किए हुए हैं; या

(ii) जिन्होंने 3000-4500 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर पांच वर्ष नियमित सेवा की है; और

(ख) जिनके पास निम्नलिखित शैक्षिक अहंताएं और अनुभव हैं:—

(1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान में मास्टर उन्नती या समतुल्य।

(2) विभिन्न वस्तुओं के रासायनिक विचारण/विश्लेषणात्मक/कार्बनिक/अकार्बनिक रसायन विज्ञान में अनुसंधान का सात वर्ष का अनुभव।

वांछनीय:

विश्लेषण के स्पेक्ट्रोस्कोपी और क्रोमोटोग्राफिक पद्धतियों में प्रशिक्षण/अनुभव।

(पोषक प्रबर्ग के ऐसे विभागीय अधिकारी, जो प्रोमोशनि की सीधी पंक्ति में हैं प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे।

इसी प्रकार प्रतिनियुक्ति व्यक्ति प्रोमोशनि द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। (प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काढ़र वाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया पांच वर्ष से अधिक नहीं होंगी। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक सविदा भी है) द्वारा नियुक्ति के लिए अधिकतम आयु सीमा आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तारीख को 56 वर्ष से अधिक नहीं होंगी।)

13

(प्रोत्स्थति के संबंध में विचार करने के लिए)

समूह 'क' विभागीय प्रोत्स्थति समिति :

1. अध्यक्ष/मदस्य, संघ लोक सेवा आयोग—अध्यक्ष।

2. अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाणुल्क बोर्ड—सदस्य

3. सदस्य, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड (जो अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड द्वारा नाम-निर्दिष्ट किया जायगा) —सदस्य।

4. मुख्य राज्यनाय, केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला सदस्य।

14

किसी अधिकारी का प्रतिनिधित्व पर स्थानान्तरण/संविदा द्वारा नियुक्ति के लिए चयन करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

3 राज्यनायपरिषद् धर्मी-I	17*	माधारण केन्द्रीय *(1993) गोदा समूह 'क', *कार्यभार भारतिल, के अधीन पर अननुसंधारिय परिवर्तन किया जा सकता है।	3000-100-	चयन	40 वर्ष से अधिक नहीं। (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए भए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार भरकारी सेवकों के लिए पांच वर्ष तक छिन्निल की जा सकती है।) टिप्पण : आयु-सीमा अधिकारित करने के लिए नियायिक तारीख भारत में अधिकारियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियन्त्रकी गई अंतिम तारीख जो अम्बम, मेधा- लय, प्रलग्नाकाल प्रवेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, क्रिपुरा, निक्काम, जम्मू-कश्मीर राज्य के लद्दाख खण्ड, डिमाकल प्रवेश के भाहौर और स्कोति जिले तथा चम्बा-जिले के पासी उपर्युक्त, अंद- मान और निकावार हीप या लक्ष- दार के अधिकारियों के लिए विद्वित की गई है।)	नहीं
-----------------------------	-----	--	-----------	-----	--	------

8

9

10

आवश्यक :

आयु-सीमा

सीधे भर्ती किए जाने वाले अधिकारियों के लिए एक वर्ष।

(1) किसी मानवना प्राप्त विष्वविद्यालय राज्यनायविज्ञान में मास्टर डिप्लोमा पा समतुल्य।

शैक्षिक अर्हता :

नदी, निलू जिसके पास किसी

(2) विभिन्न वस्तुओं के रासायनिक विश्लेषण/विश्लेषणात्मक कार्बनिक/यकार्बनिक राज्यनायविज्ञान में अनुसंधान पा संस्कार (प्रतार्स) डिप्लोमा या समतुल्य है।

माध्यतापालन विष्वविद्यालय से राज्यनायविज्ञान में बैकलर शास्त्र

संस्कार (प्रतार्स) डिप्लोमा या समतुल्य है।

टिप्पणी : 1. अर्हताएँ अत्यधि सुरक्षित अधिकारियों की दण में संघ लोक सेवा आयोग के विकेन्द्रियालय की जा सकती है।

2. अनुभव संबंधी शहरता, संघ लोक सेवा आयोग के विकेन्द्रियालय की अनुभवित जातियों और अनुभवित जनजातियों के अधिकारियों की शण में नव शिखिल की जा सकती है, जब चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह गति कि उनके लिए आवश्यक गिक्कियों को भरने के लिए आवेदन अनुग्रह रखने वाले उन समुदायों के अधिकारियों के पांच संक्षेप में उपलब्ध होने की मंजुकाना नहीं है।

शास्त्रीय :-- विज्ञेयण के स्पेक्ट्रोस्कोपी और फॉर्मोट्राफिक पद्धतियों में प्रशिक्षण/प्रनुभव।

7.5 प्रतिनियुक्ति द्वारा, जिसके न हो मर्कें पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण (जिसके अंतर्गत

अल्पकालिक संविदा भी है (द्वारा 2.5 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा)।

केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों/पठिक नेटवर्क उत्तरकांड/विश्वविद्यालयों/भनुसंघात संस्थाओं/अर्द्ध-मरकारी व्यवारी मंगठनों के में संविदारों:

(क) (i) जो नियमित आधार पर भद्र पद धारण किए हैं; या

(ii) जिनमें 2200-4000 रु. या समानुच्च वेतनमात्र वाले पदों पर पांच वर्षे नियमित सेवा की हैं;

और

(ख) जिनके पास संबंध 8 के अधीन सीधी भर्ती किए जाने वाले अवित्यों के लिए विहित

प्रतिक्रिया अहेतारं और प्रानुभव है।

पोषक प्रश्नों के में से किमारीय अधिकारी, जो प्रोन्नाम की सीधी पंक्ति में है प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पावर नहीं होते। इसी प्रकार प्रतिनियुक्ति क्षेत्रिक प्रोन्नाम द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पावर नहीं होते। (प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अंतर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले प्रारित किसी अन्य काउंसिल वाहूय पढ़ पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया नीति वर्ष से अधिक नहीं होती। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसके अंतर्गत अल्पकालिक संविदा भी है) द्वारा नियुक्ति के लिए प्रधिकारम् आयु-सीमा आवेदन प्राप्त होने की अनियन्त्रित अधिक नहीं होती।)

(प्रोन्नाम के संबंध में विचार करने के लिए)

समूह "क" विभागीय प्रोन्नाम समिति:

1. अध्यक्ष/सदस्य, संघ दोषों सेवा आयोग—अध्यक्ष

2. अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्तराधिकारी और सीमा शुल्क बोर्ड—सदस्य

3. सदस्य, केन्द्रीय उत्तराधिकारी और सीमाशुल्क बोर्ड (जो अध्यक्ष केन्द्रीय उत्तराधिकारी और सीमाशुल्क बोर्ड द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाएगा)—सदस्य

4. मुख्य राज्यालय/उप मुख्य राज्यालय, केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला—सदस्य

(पुस्ति के संबंध में विचार करने के लिए) समूह "क" विभागीय प्रोन्नाम समिति :

1. अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्तराधिकारी और सीमाशुल्क बोर्ड—अध्यक्ष

2. सदस्य, केन्द्रीय उत्तराधिकारी और सीमा शुल्क बोर्ड (जो अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्तराधिकारी और सीमाशुल्क बोर्ड द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाएगा)—सदस्य

3. मुख्य राज्यालय, केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला—सदस्य

टिप्पणी: सीधे भर्ती किए जाने वाले अवित्य की पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नाम

समिति की कार्यवाहिया, संघ लोक सेवा आयोग के अनुभोवनार्थ भेजी जाएगी। किन्तु यदि

आयोग उनका अनुभोवन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नाम समिति की दैवत संघ लोक सेवा

आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की आवश्यता में फिर से होती।

1	2	3	4	5	6	7
4. राजावत परीक्षार्थी अर्णी—३	26* (1993)	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "क" राजपत्रिन	2200-75- 2800-व. रो.- 100-4000	चयन	3.5 वर्ष से अधिक नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए अनुदर्शों या प्राक्षण्यों के प्रत्युत्तर संसारी सेवकों के लिए पांच वर्ष तक शिखिय की जा सकती है।)	महीनों
*कार्यभार के अनुसन्धान आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।					टिप्पणी: आयु-सीमा अवधारित करने के लिए नियायिक नामीक्र भारत में प्रभावितों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियन्त्रण की गई अनियन्त्रित अवधारित जो असम, मेघा- लय, प्राच्याधिल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, तिप्पारा, मिनार्य, जम्मू कश्मीर राज्य के नद्याधिल व्यंग, हिमाचल प्रदेश के लालीन और स्फीति जिने तथा धम्मा जिने के पासी उपर्युक्त, अस- मान और निकोबार द्वीप या लक्ष- द्वीप के प्रभावितों के लिए विहित की गई है।	

8

9

10

आवश्यकः

आयुः नहीं

प्रोलन्ति व्यक्तियों के लिए वर्ष और सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए एक वर्ष।

(1) किसी भान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से रमायनज्ञ विज्ञान में मास्टर डिग्री या समतुल्य

(2) विभिन्न बग्नियों के ग्राम्यनिक विश्वविद्यालय/विश्वविद्यालय/कार्यालय/कार्यालय/विद्यालय विज्ञान में अनुसंधान का तीन वर्ष का अनुभव

टिप्पणि 1—अर्हतां अन्यथा अनुसंधान अध्ययन विज्ञान में भव नोक सेवा आयोग के विवेकानुसार गियर की जा सकती है।

टिप्पणि 2—अनुभव मंबंधी अर्हता संघ नोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित ज्ञानियों और अनुसूचित जनजातियों के अध्यार्थियों का दशा में तब शिखिल की जा सकती है जब ज्ञान के किसी प्रक्रम पर संघ नोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अध्ययितों के पर्याप्त संख्या में उपचार्य होने की संभावना नहीं है।

बाठनीय : विश्वविद्यालय के स्पष्टीयस्पष्टीय और कोमोटोप्राप्तिक पदस्थियों में प्रशिक्षण/अनुभव।

11

12

70 प्रतिशत प्रोलन्ति द्वारा,
30 प्रतिशत भीती भर्ती द्वारा।प्रोलन्ति:
ऐसा सहायक रसायन परीक्षक, जिसने उस श्रेणी में तीन वर्ष नियमित सेवा की है।

13

14

(प्रोलन्ति के संबंध में विचार करने के लिए) समूह “क” विभागीय प्रोलन्ति समिति :

1. अध्यक्ष/मदस्य, संघ नोक सेवा आयोग;—अध्यक्ष
2. अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड—सदस्य
3. सदस्य, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड (जो अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाएगा)—सदस्य

प्रत्येक अवमर पर संघ नोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

4. सुख्य रसायनज्ञ/उप सुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला—सदस्य (पुष्टि के संबंध के विचार करने के लिए) समूह “क” विभागीय प्रोलन्ति गमिति
1. अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड—अध्यक्ष
2. सदस्य, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड (जो अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमाशुल्क द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाएगा)—सदस्य
3. सुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला—सदस्य

टिप्पणि : सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों की पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोलन्ति समिति की कार्यवाहियों, संघ नोक सेवा आयोग के प्रत्युमोदनार्थ भेजी जाएंगी। किन्तु यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोलन्ति समिति की बेटक संघ नोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या विभीत राजस्व की अध्यक्षता में फिर से होती।

1	2	3	4	5	6	7
5. संस्थायक रसायनज्ञ परीक्षक	66* (1993) *कार्यवाहि के आधार पर परिवर्तन किया जा राक्तना है	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह “ब”, राजपत्रित, प्रत्यनुसन्धीय	2000-60- 2300-दरी- 75-3200- 100-3500 रु.	चयन	30 वर्ष से अधिक नहीं। (केन्द्रीय सरकार द्वारा आई किये गये अनु- देशों या आवेदों के प्रत्यासार सरकारी संबंधों के लिए पांच वर्ष तक शिखिल की जा सकती है)।	नहीं

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

टिप्पणी :—आयु-सीमा अवधारित करने के लिए नियन्त्रिक तारीख भारत में अध्ययनों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियन्त्रक की गई अंतिम तारीख होती है। (न कि वह अंतिम तारीख जो इसमें, मेघालय, असमाचल प्रदेश, मिज़ोरम, मणिपुर, नागालैंड, निपुरा, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर राज्य के लक्ष्मान खांड, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्टीलिंग जिले तथा चम्बा-जिले के पांगी उपखांड, प्रदमान और निकोबार द्वीप या लक्षद्वीप के अध्ययनों के लिए विहित की गयी है)।

8	9	10
---	---	----

आवश्यक :

- (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान में मास्टर डिप्लोमा या समतुल्य
- (2) विभिन्न वस्तुओं के रसायनिक विश्लेषण/विश्लेषणात्मक/कार्बनिक/अकार्बनिक रसायन विज्ञान में अनुमंडान का दो वर्ष का अनुमंडव।

टिप्पणी : 1. अर्हताएँ अन्यथा भुग्नहित अध्ययनों की वज्ञा में संबंध लोक सेवा आयोग के विशेषानुसार शिथित की जा सकती है।

टिप्पणी : 2. अनुमंडव संबंधी अर्हता (संबंध लोक सेवा आयोग के विशेषानुसार अनुसूचित जारीयों और अनुसूचित जनजातियों के अध्ययनों की वज्ञा में तब शिथित की जा सकती है) जब व्यवहार के किसी प्रक्रम पर संबंध लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिए अवशिष्ट रिक्तियों की भरने के लिए अवैक्षित अनुमंडव रखने वाले उन समुदायों के अध्ययनों के पर्याप्त संख्या में उगलव्य होने की संभावना नहीं है।

आयु : नहीं**दो वर्ष****शैक्षिक अवधार :** नहीं,

किन्तु जिसके पाल किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान में बैचलर आफ साईंस (आनंद) डिप्लोमा या समतुल्य है।

11**12**

66-2/3 प्रतिशत प्रोन्टिंग द्वारा,
33-1/3 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।

प्रोन्टिंग :—ऐसा रसायनशास्त्रीय क्षेत्र-I, जिसों उपर श्रेणी में दोनों वर्ष नियमित सेवा की है।

13**14**

(प्रोन्टिंग/पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए)
सभूह “ख” विभागीय प्रोन्टिंग समिति :—

1. मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला—प्रध्यक्ष
2. उप मुख्य रसायनज्ञ (जो मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला द्वारा नामिन्दिष्ट किया जायेगा)—सचिव

सीधी भर्ती करने समय, संबंध लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

टिप्पणी :— सीधी भर्ती किये जाने वाले अधिकत की पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्टिंग समिति की कार्यवाहियां, संबंध लोक सेवा आयोग के अनुबोध वार्ष नेत्री जातियों। किन्तु, यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है, तो विभागीय प्रोन्टिंग समिति की वैठक तंब लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

[सं. 1/का. सं.ए.-12018/3/91-प्रशा. -II-वी]
के. मासी, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
New Delhi, the 25th June, 1993

G.S.R. 360.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Central Revenues Chemical Service (Class I and II posts) Recruitment Rules, 1966, the President hereby makes the following rules for regulating the method of recruitment to Group 'A' and Group 'B' posts in Central Revenues Control Laboratory under the Ministry of Finance, Department of Revenue, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Central Revenues Control Laboratory (Group 'A' and Group 'B' Posts), Recruitment Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed with these rules.

3. Number of posts, classification and scales of pay.—The number of the said posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit and other qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said posts shall

be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

5. Disqualifications.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living ; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to Relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Saving :—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of Posts	No. of Post	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or non-Selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972
1	2	3	4	5	6	7
Chief Chemist	1* (1993)	General Central Service Group 'A' Gazetted, Non-Ministerial	Rs. 5900-200- 6700	Selection	Not applicable	Not applicable

*Subject to variation dependent on workload.

Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods
8	9	10	11
Not applicable	Not applicable	Nil	<p>By promotion :</p> <p>Note : The regular incumbent of the post of Chief Chemist in the pre-revised scale of Rs. 2000-2500 which has been upgraded to the revised scale of Rs. 5900-6700 by the Fourth Pay Commission, who has completed the eligibility service of three years regular service in Rs. 2000-2500 and/or 4500-5700 on or before the date of notification of these rules, shall be deemed to have been appointed to the post in the revised scale of pay of Rs. 5900-6700 from the date of completion of the eligibility service.</p>

In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grade from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
12	13	14
Promotion : Deputy Chief Chemist with eight years' regular service in the grade including service, if any, in non-functional selection grade	<p>Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering promotion) :</p> <ol style="list-style-type: none"> Chairman/Member, Union Public Service Commission—Chairman Secretary (Revenue)—Member Chairman, Central Board of Excise and Customs—Member Member, Central Board of Excise and Customs (to be nominated by Chairman, Central Board of Excise and Customs)—Member 	Consultation with the Union Public Service Commission not necessary.

1	2	3	4	5	6	7
Deputy Chief Chemist	8* (1993)	General Central Service Group 'A' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 3700-125-4700-150-5000 with two posts in the scale of Rs. 4500-150-5700. Note : Two posts of Deputy Chief Chemist will be operated as non-functional selection grade posts in the scale of Rs. 4500-5700. Appointment to these posts will be made from amongst regular incumbents of the posts of Deputy Chief Chemist who have completed four years' regular service in that grade, on seniority-cum-fitness basis following the guidelines relating	Selection	Not applicable	Not applicable

to selection for appointment to non-functional selection grade. (Departmental Promotion Committee will comprise of (1) Chairman, Central Board of Excise and Customs (2) Member, Central Board of Excise and Customs (to be nominated by Chairman, Central Board of Excise and Customs) and (3) Chief Chemist Central Revenues Control Laboratory.

8	9	10	11
Not applicable	Not applicable	Nil	By promotion failing which by transfer on deputation (including short-term contract)

12	13	14
<p>Promotion : Chemical Examiner Grade-I with five years' regular service in the grade.</p> <p>Transfer on deputation (including short-term contract) : Officers of the Central/State Governments/Public Sector Undertakings/Universities/Research Institutes/Semi-Government/Autonomous Organisations—</p> <ul style="list-style-type: none"> (a) (i) holding analogous posts on regular basis; or (ii) with five years' regular service in posts in the scale of Rs 3000-4500 or equivalent; and (b) possessing the following educational qualifications and experience:— <p>Essential :</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) Master's Degree in Chemistry from a recognised University or equivalent. (ii) Seven years' experience in Chemical Analysis of different commodities/Research in analytical/ Organic/Inorganic Chemistry. <p>Desirable :</p> <p>Training/experience in spectroscopic and chromatographic methods of analysis.</p> <p>The departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion shall not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion. (Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other Organisation/Department of the Government shall ordinarily not exceed five years. The maximum age limit for appointment by transfer on deputation (including short-term contract) shall be, not exceeding 56 years, as on the closing date of receipt of applications).</p>	<p>Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering Promotion) :</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Chairman/Member, Union Public Service Commission—Chairman 2. Chairman, Central Board of Excise and Customs—Member 3. Member, Central Board of Excise and Customs (to be nominated by Chairman Central Board of Excise and Customs— Member) 4. Chief Chemist, Central Revenues Control Laboratory—Member. 	<p>Consultation with the Union Public Service Commission necessary while selecting an officer for appointment by transfer on deputation/contract.</p>

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

Chemical Examiner Grade-I	17* (1993) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service Group 'A' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 3000-100- 3500-125-4500	Selection	Not exceeding 40 years (Relaxable for Government servants upto five years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note.—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti district and Pangi Sub Division of Chamba district of Himachal Pradesh, the Union territory of the Andaman and Nicobar Island or the Union territory of Lakshadweep)	No.
------------------------------	--	--	--------------------------------	-----------	--	-----

8

9

10

11

Essential :	Age : No Educational Qualification : No, but must possess Bachelor of Science (Honours) Degree in Chemistry from a recognised University or equivalent.	One year for direct recruits.	75% by promotion failing which by transfer on deputation (including short-term contract) 25% by direct recruitment.
-------------	--	----------------------------------	--

Note : 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.

2. The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

Desirable : Training/experience in spectroscopic and chromatographic methods of analysis.

12

13

14

Promotion :

Chemical Examiner Grade-II with five years' regular service in the grade.

Transfer on deputation (including short-term contract) :

Officers of the Central/State Governments/Public Sector Undertakings/Universities/Research Institutes/Semi-Government/Autonomous Organisations—

- (a) (i) holding analogous posts on a regular basis; or
- (ii) with five years' regular service in posts in the scale of Rs. 2200-4000 or equivalent; and
- (b) possessing the educational qualifications and experience prescribed for direct recruits under column 8.

The departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion shall not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion. (period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall ordinarily not exceed three years. The maximum age limit for appointment by transfer on deputation (including short-term contract) shall be, not exceeding 56 years, as on the closing date of receipt of applications).

Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering promotion) :

1. Chairman/Member, Union Public Service Commission—Chairman
2. Chairman, Central Board of Excise and Customs—Member
3. Member, Central Board of Excise and Customs (to be nominated by Chairman, Central Board of Excise and Customs)—Member
4. Chief Chemist/Deputy Chief Chemist, Central Revenues Control Laboratory—Member

Group 'A', Departmental Promotion Committee (for considering confirmation) :

1. Chairman, Central Board of Excise and Customs—Chairman
2. Member, Central Board of Excise and Customs (to be nominated by Chairman, Central Board of Excise and Customs)—Member
3. Chief Chemist, Central Revenue Control Laboratory—Member

Note : The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission, a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.

Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment and selecting an officer on transfer on deputation/contract

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

Chemical Examiner Grade-II	26* (1993)	General Central Service Group 'A' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 2200-75- 2800-EB-100- 40%0.	Selection.	Not exceeding 35 years (Relaxable for Government servants upto five years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).	No.
-------------------------------	---------------	--	---------------------------------------	------------	---	-----

*Subject to variation dependent on workload

8	9	10	11
---	---	----	----

Essential :

- (i) Master's Degree in Chemistry from a recognised University or equivalent.
- (ii) Three years' experience in Chemical analysis of different commodities/ Research in analytical/Organic/ Inorganic Chemistry.

Note : 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.

2. The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

Desirable :

Training/experience in spectroscopic and Chromotographic methods of analysis.

Age : No

Educational Qualification : No., but must possess Bachelor of Science (Honours) Degree in Chemistry from a recognised University or equivalent.

Two years for
promotees and one
year for direct recruits

70% by promotion;
30% by direct recruitment.

12

13

14

Promotion :

Assistant Chemical Examiner with three years' regular service in the grade.

Group 'A' Departmental Promotion

Committee (for considering promotion) :

1. Chairman/Member, Union Public Service Commission—Chairman.
2. Chairman, Central Board of Excise and Customs—Member.
3. Member, Central Board of Excise and Customs (to be nominated by Chairman, Central Board of Excise and Customs)—Member.
4. Chief Chemist/Deputy Chief Chemist, Central Revenues Control Laboratory—Member.

Group 'A' Departmental Promotion

Committee (for considering confirmation) :

1. Chairman, Central Board of Excise and Customs—Chairman.
2. Member, Central Board of Excise and Customs (to be nominated by Chairman, Central Board of Excise and Customs)—Member.
3. Chief Chemist, Central Revenue Control Laboratory—Member.

Note : The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Commission for approval. If however, these are not approved by the Commission, a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.

Consultation with the Union Public Service Commission necessary on each occasion.

SCHEDULE

1	2	3	4	5	6	7
Assistant Chemical Examiner.	66* (1993)	General Central Service, Group 'B', Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 2000-60- 2300-EB-75- 3200 100-3500.	Selection.	Not exceeding 30 years. (Relaxable for Government servants upto five years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).	No

*Subject to variation dependent on workload.

Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu & Kashmir State, Lahaul and Spiti District and Pangi sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, the Union territory of the Andaman and Nicobar Island or the Union territory of Lakshadweep).

8	9	10	11
Essential :	Age : No Educational Qualification : No. but must possess Bachelor of Science (Honours) degree in Chemistry from a recognised University or equivalent.	Two years.	66-2/3% by promotion; 33-1/3% by direct recruitment

Note 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.

2. The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

12	13	14
Promotion : Chemical Assistant Grade-I with three years' regular service in the grade.	Group 'B' Departmental Promotion Committee (for considering promotion/confirmation) : 1. Chief Chemist, Central Revenues, Control Laboratory—Chairman. 2. Two Deputy Chief Chemists (to be nominated by Chief Chemist, Central Revenues Control Laboratory—Members).	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment.

Note: The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission, fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 4 जून, 1993

मा.का.नि. 361 :--राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परलुक द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए और वाणिज्य मंत्रालय (प्रार्थिक सलाहकार) भर्ती नियम, 1986 को, उन वारों के सिवाय अधिकारित करते हुए, जिन्होंने ऐसे व्यक्तिगत से पहले किया गया है, या करने का लोप किया गया है, प्रार्थिक सलाहकार के पद पर भर्ती का पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अधिकृतः--

1. सक्षिप्त नाम और प्रदर्शन (1) इन व्यक्तियों का सक्षिप्त नाम वाणिज्य मंत्रालय (प्रार्थिक सलाहकार) भर्ती नियम, 1993 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रदत्त होंगे।
2. पद संबंधी, वर्दीकरण आर वेतनमानः--उक्त पद की संभावा, उसका वर्दीकरण और उसका वेतनमान वह होगा, जो इन व्यक्तियों के उपबद्ध अनुसूची के स्तरम् (2) से स्तरम् (4) में विनिविष्ट है।
3. भर्ती को पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएँ आदि:--उक्त पद पर भर्ती को पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएँ और उससे संबंधित अन्य बासें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तरम् (5) के स्तरम् (14) में विनिविष्ट हैं।

4. निहितार्थः--वह अधिकृतः--

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसको पत्नी जीवित हैं, विवाह किया है, या
(ख) जिसने प्रपत्ने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परलुक यदि केंद्रीय सरकार का यह समाचार नहीं जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीकृत विधि के अधीन अनुशेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छोट बे सकती।

5. विधिल करने की व्यक्ति:--जहाँ केंद्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करनी आवश्यक या समीचार है, वहाँ वह उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तथा संबंधी सेवा आवश्यक से परामर्श करके, इन व्यक्तियों के किसी उपर्युक्त की किसी वर्तीय प्रबन्ध के व्यक्तियों की वाचत, आदेश द्वारा विधिल कर सकती।

6. आवृत्ति:--इन व्यक्तियों का कोई गात, नेत्रे आरक्षण, आयु-सीमा में कूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केंद्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर नियम गण आदेशों के अनुसार अनुचित जनजातियों, अनुमूलित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रबन्ध के व्यक्तियों के लिए उपर्युक्त करने अधिकृत है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	विधीकरण	वेतनमान	नियन पद अधिकार	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केंद्रीय सिविल सेवा (पेशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुशेय है या नहीं।
प्रार्थिक सलाहकार	1*	साधारण केंद्रीय सेवा समूह "क"	5900-200-7300 रु.	लागू नहीं होता	50 वर्ष से अधिक नहीं। (केंद्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आवेदनों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक विधिल की जा सकती है।)	7

प्रार्थिक सलाहकार (1993)	1*	साधारण केंद्रीय सेवा समूह "क"	5900-200-7300 रु.	लागू नहीं होता	50 वर्ष से अधिक नहीं। (केंद्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आवेदनों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक विधिल की जा सकती है।)	7
*कार्यभार के प्रभाव पर परिवर्तन किया जा सकता है।						

टिप्पणः--आयु-सीमा अवधारित करने के लिए नियमिक तारीख भारत में अन्यथियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियम की गई अंतिम तारीख होगी। (न कि वह अंतिम तारीख जो प्रसम, भेषालय, अशानाच्छ व्रेष्ट, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, शिल्परा, सिलिङ्ग, जम्मू-कश्मीर राज्य के लद्दाख खंड, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्त्रीति जिले तथा छम्बा जिले के पासी उपर्युक्त, अंडमान और निकोबार द्वीप या लक्ष्मीपुर के अन्यथियों के लिए विवित की गई है।)

भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए भारक्षित गैशिक और अन्य घर्हणाएँ

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित ग्राम और गैशिक घर्हणाएँ प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में लागू होगी या नहीं ।

परिवीक्षा की गवाधि, यदि कोई है ।

8

9

10

आवश्यक :

- (1) किसी मास्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में पीएच.डी. या समतुल्य ।
- (2) योजनाओं/नियमों/कार्यक्रमों के अनुसंधान/योजना बनाने/कार्यान्वयन/मूल्यांकन में 15 वर्ष का अनुभव ।
- (3) भारत में और विदेश में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और मुद्रा नीति में सामयिक विकास का अनुभव ।

टिप्पण : 1. घर्हणाएँ अन्यथा सुअंहित ग्राम्यियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार ग्राम्यियों की जा सकती है ।

टिप्पण : 2. अनुभव संबंधी घर्हणा (घर्हणाएँ) संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित ग्रामियों और अनुसूचित जनजातियों के ग्राम्यियों की दशा में तब ग्रामियों की जा सकती है (है) जब व्यय के किसी प्रकार पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिए भारक्षित रिक्तियों की भर्ती के लिए भारक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के ग्राम्यियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है ।

भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता ।

लागू नहीं होता

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए एक वर्ष ।

11

12

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण

(जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक संविवादी है) द्वारा जिसके नहीं सकते पर सीधी भर्ती द्वारा ।

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणिय जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा ।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक संविवादी है) । केंद्रीय सरकार/राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों/भारतीय रिज़र्व बैंक भारतीय अनुसूचित बैंक/विश्वविद्यालयों/मास्यताप्राप्त अनुसंधान संस्थानों के अधीन ऐसे ग्रामिकारी ॥

(क) (1) जो नियमित भाषार पर सबूत पद धारण किए हुए हैं; या

(2) जिन्होंने 5900-6700 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर वो वर्ष नियमित सेवा की है, या

(3) जिन्होंने 4500-5700 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर पांच वर्ष नियमित सेवा की है; और

(ख) जिसके पास स्टेप 8 के ग्रामीन, सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित घर्हणाएँ और अनुभव हैं ।

(प्रतिनियुक्ति की गवाधि, जिसके अन्तर्गत केंद्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियमित से ठीक पहले धारित किस ग्राम्य काडर-बाहु पद पर प्रतिनियुक्ति की गवाधि है साधारणतय पांच वर्ष से अधिक नहीं होगी ।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरक्षण

भर्ती करने में किस परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा ।

13

14

(पुष्टि के संबंधित विभार करने के लिए)

समूह, 'क' विभागीय प्रोन्नति समिति :

1. संचित, धारिण्य मंत्रालय—भाष्यक
2. अपर संचित—संवर्धन

प्रत्येक भवसर पर, संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है ।

टिप्पण : — सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों की पुष्टि से संबंधित

विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियाँ, संघ लोक सेवा आयोग के अनुसोदनार्थ भेजी जाएंगी किन्तु यदि आयोग उनका अनुसोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की भी उक्त संघ लोक सेवा आयोग के भाष्यक या किसी संवर्धन की भाष्यकता भेज फिर से होगी ।

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi. 4th June, 1993

G.S.R. 361.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Ministry of Commerce Economic Adviser) Recruitment Rules, 1986, except as respects things done or omitted to have been done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Economic Adviser namely :—

1. Short title and Commencement :— (1) These rules may be called the Ministry of Commerce (Economic Adviser) Recruitment Rules. 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay :—The number of the said post, its classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in columns (2) to (4) of the Schedule annexed hereto to these rules.

3. Method of recruitment, age limit qualifications etc. :—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns (5) to (14) of the Schedule aforesaid.

4. Disqualifications :— No person

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order for reasons to be recorded in writing, and in consultation, with the Union Public Service Commission, relax any of the provision of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving :—Nothing in these rules shall affect reservations relaxation of age and other concessions required to be provided for the schedule castes the Scheduled Tribes Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of Post	No. of Classification posts	scale of Pay	Whether Selection post or non-selection post	Age limit for direct recruit.	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
Economic Adviser	1* (1993)	General Central Service, Group 'A' Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 5900-200- 7300.	N.A.	Not exceeding 50 years. (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).	Yes.

*Subject to variation dependent on workload.

Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh division of J&K States Lahaul & Spiti district and Pangti Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep.)

Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees.	Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recrt. or by deputation/promotion transfer & percentage of the vacancies to be filled by various method.
(8)	(9)	(10)	(11)
<p>Essential :</p> <p>(i) Ph. D. in Economics from a recognised University or equivalent;</p> <p>(ii) 15 years experience in research/Planning/ formulation, implementation/evaluation of plans/policies/programmes, and</p> <p>(iii) Experience in current development in the International trade and monetary policy in India and abroad.</p> <p>Note : 1 Qualifications are relaxable at the discretion of U.P.S.C. in case of candidates otherwise well qualified.</p> <p>Note : 2 The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the U.P.S.C. in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection the U.P.S.C. is of the opinion that sufficient number of candidates from other communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.</p>	N.A	One year direct recruits.	Transfer on deputation (including short-term contract) failing which by direct recruitment.
In case of recrt. by promotion/deputation cr transfer, grade from which promotion/deputation /transfer to be made.	If a PDC exists, what is the composition.	Circumstances in which U.P. S.C. is to be consulted in making recruitment.	
(12)	(13)	(14)	
<p>Transfer on Deputation (including short-term contract):</p> <p>Officers under the Central Govt./State Govt. Union Territories/Reserve Bank of India/Scheduled Bank of India Universities/Recognised Research Institutes :—</p> <p>(a) (i) holding analogous posts on regular basis; or (ii) with two years' regular service in posts in the scale of Rs. 5900-6700 or equivalent; or (iii) with 5 years' regular service in the scale of Rs 4500-5700; or equivalent; and</p> <p>(b) Possessing qualifications and experience prescribed for a direct recruits under Column 8.</p> <p>(Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment the same or some other organisation department of the Central Government shall not exceed 5 (Five) years. The maximum age limit for appointment by transfer on deputation(including short-term contract) shall be, not exceeding 56 years, as on the closing date of receipt of applications).</p>	<p>Gr. 'A' DPC. (for considering of cases of confirmation):</p> <p>1. Secretary Ministry of Commerce—Chairman. 2. Additional Secretary—Member.</p> <p>(Note : The proceedings of the DPC relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Commission for approval. If however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the DPC to be presided over by the chairman or member of the UPSC shall be held).</p>	Consultation of UPSC necessary on each occasion.	

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण भंगालय

नई दिल्ली, 18 जून, 1993

सा. का. नि. 362 :—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली (ड्रेसर) भर्ती नियम, 1988 और केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना संगठन दिल्ली से बाहर में समृद्ध “ध” पद (भर्ती नियम 1986 को जहां तक उनका संबंध ड्रेसर के पद से है उन वासों के सिवाय अधिकांत करते हुए जिन्हें ऐसे अधिकमण से पहले किया गया है, या करने का लोप किया गया है केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में ड्रेसर के पद पर भर्ती वी पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं।

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) :—इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (ड्रेसर) भर्ती नियम, 1993 है।

(2) मेरा राजपत्र में प्रकाशन का तारीख को प्रवृत्त होगा।

2. पद संबंधी, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद का संबंध, उसका वर्गीकरण और उनका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उगाढ़ अनुसूची के सम्म 2 से स्तम्भ 4 में विविरित है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा अर्हताएं और उससे संबंधित प्रत्येक बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 13 में विविरित हैं।

4. निरहंता : वह व्यक्ति :—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह है या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसी विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के प्रणय पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुसूची है और ऐसा करने के लिए अन्य भाषाएँ हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिक्षित करने की शक्ति :—जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना धारावशक या समीक्षन है वहां उम्मेलिए जो कारण हैं उन्हें लेखीबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी बर्गे या प्रवर्गे के व्यक्तियों की बाबत आदेश द्वारा विशिष्ट कर सकेगी।

6. व्यापूति :—इन नियमों की कोई बात ऐसे आरक्षण, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद प्रथम	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	प्रचयन पद
1	2	3	4	5	6	
ड्रेसर	411* (1993)	साधारण केन्द्रीय	800-15-	अन्य	लागू नहीं होता	
	*कार्यभार के आधार पर	सेवा समृद्ध “ध”	1-10८ . रो.-			
	परिवर्तन किया	आराजपत्रित	20-1150 रुपये			
	किया जा सकता है।					
	एलाहाबाद—10					
	महामध्याद—8					
	मुंबई—35					
	मंगलौर—23					
	फलकता—28					
	विल्ली—177					
	हैदराबाद—25					
	जगन्नार—10					
	कानपुर—15					
	लखनऊ—10					
	मद्रास—22					
	मेरठ—10					
	नागपुर—10					
	पटना—9					
	पुणे—14					
	राष्ट्री—1					
	जबलपुर—3					
	झज्जोरी—1					

सीधे भर्ती किए जाने वाले अवक्षिप्तों के लिए प्रयोक्तिशीक्षिक सीधे भर्ती किए जाने वाले अवक्षिप्तों के लिए परिवेशों की अवधि यदि कोई हो।
अग्र प्रहृताएँ
विहित आम और शैक्षिक पर्याप्तताएँ प्रोत्साहन अवक्षिप्तों की दशा में लागू होंगी या नहीं

7

8

9

लागू नहीं होता

लागू नहीं होता

2 वर्ष

भर्ती की पद्धति: भर्ती सीधे होगी या प्रोत्साहन द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा या विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता।

प्रोत्साहन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोत्साहन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।

10

11

शात-प्रतिशत प्रोत्साहन द्वारा।

ऐसा नामिंग प्रदेशी, जिसने उस श्रेणी में 3 वर्ष नियमित सेवा की है।

यदि विभागीय प्रोत्साहन समिति है तो उसका संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संबंध लोक सेवा आवोग से परामर्श किया जाएगा।

12

13

सन् २००५ "ध" विभागीय प्रोत्साहन समिति नियन्त्रिति से भिन्न करने की :--

लागू नहीं होता।

I. केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य बोर्डना, विल्सो

1. अपर उप महानिवेशक (मूल्यालय)	-- अध्यक्ष
2. मुख्य चिकित्सा अधिकारी	-- सदस्य
3. अनुमूलिक जाति/अनुमूलिक अनजाति का एक राजपत्रित अधिकारी	-- सदस्य
4. संबंधित प्रशासनिक अधिकारी	-- सदस्य

II. केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य बोर्डना, विल्सो से बाहर

1. केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य बोर्डना के सम्बद्ध कार्यालय में अपरनिवेशक/उप निवेशक	-- अध्यक्ष
2. भारतीय चिकित्सा अधिकारी	-- सदस्य
3. केन्द्रीय सरकार के किसी कार्यालय, अधिमनित: स्वास्थ्य सेवा महानिवेशक या केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य बोर्डना से भिन्न उसके किसी अध्यानस्थ कार्यालय से अनुमूलिक जाति/अनुमूलिक अनजाति का समूह 'क' अधिकारी	-- सदस्य
4. संबंधित केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य बोर्डना कार्यालय का प्रशासनिक अधिकारी जहाँ यदि कोई प्रशासनिक अधिकारी नहीं है वहाँ केन्द्रीय सरकार के किसी कार्यालय का समूह 'क' अधिकारी	-- सदस्य

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

New Delhi, the 18th June, 1993

G.S.R. 362:—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Central Government Health Scheme, Delhi (Dresser), Recruitment Rules, 1988 and the Central Government Health Scheme (Group D posts in organisations outside Delhi) Recruitment Rules, 1986, in so far as they relate to the post of Dresser, except as respect of things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Dresser in the Central Government Health Scheme, namely:—

1. Short title and commencement : (1) These rules may be called the Central Government Health Scheme, (Dresser) Recruitment Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay : The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc : The method of recruitment, age limit,

qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualification : No. person, (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any other person, shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government, may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax: Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving:— Nothing in these rules shall effect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

THE SCHEDULE

Name of the post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection or Non-selection
1	2	3	4	5
Dresser	*411 (1993)	General Central Service, Group 'D'	Rs. 800-15-1010-EB-20-1150.	Non-selection
	Allahabad	— 10		
	Ahmedabad	— 8	Non-Gazetted,	
	Bombay	— 35	Non-Ministerial.	
	Bangalore	— 23		
	Calcutta	— 28		
	Delhi	— 177		
	Hyderabad	— 25		
	Jaipur	— 10		
	Kanpur	— 15		
	Lucknow	— 10		
	Madras	— 22		
	Meerut	— 10		
	Nagpur	— 10		
	Patna	— 9		
	Pune	— 14		
	Ranchi	— 1		
	Jabalpur	— 3		
	Bhubaneshwar	— 1		

*Subject to variation dependent on work load.

Age for direct recruitment	Education and other qualifications required for direct recruits.	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods	
6	7	8	9	10	
Not applicable	Not applicable	Not applicable	Two years	100% by promotion.	
In case of recruitment by promotion/deputation/transfer/grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, which is its composition	Which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.	11	12	13
Nursing orderly with 3 years regular service in the grade.	<p>Group 'D' Departmental Promotion Committee consisting of :—</p> <p>I. Central Government Health Scheme, Delhi</p> <ul style="list-style-type: none"> (1) Addl. Dy. Director General (Head Quarters) —Chairman (2) Chief Medical Officer —Member (3) A Gazetted Officer belonging to Scheduled Caste/Scheduled Tribe —Member (4) Administrative Officer concerned—Member <p>II. Central Government, Health Scheme, outside Delhi.</p> <ul style="list-style-type: none"> (1) Addl. Director/Dy. Director in the concerned office of the CGHS —Chairman (2) Medical Officer Incharge —Member (3) Gr. A Officer of any Central Government office preferably from Dte. General of Health Services or its subordinate offices other than CGHS, belonging to SC/ST —Member (4) Administrative officer of the respective CGHS office where there is no Administrative Officer, Gr. 'A' officer of any Central Government office. —Member 	Not applicable	11	12	13

[No. A-12018/1/91-CGHS-I/CGHS(P)]
BRAHAM DEV, Under Secy.

शहरी विकास मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 जून, 1993

मा.का.नि. 363.—गरीबों के लिए शहरी बुनियादी सुविधाओं की योजना को सरकार द्वारा प्राथमी पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान कार्यान्वयन हेतु केन्द्र प्रवर्तित योजना के रूप में ग्रन्तीदित किया गया है।

नहर, गढ़र स्तर पर योजना के कार्यान्वयन में शहरी स्थानीय निकाय महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिस स्तर पर जिस शहरी विकास एजेंसियां तथा राज्य स्तर पर सञ्चित भूमि के अधिकारी की अध्यक्षता में राज्य शहरी विकास एजेंसियां/राज्य स्तरीय

निरीक्षण समिति योजना के कार्यान्वयन का प्रबोधन करती है। राष्ट्रीय स्तर पर योजना का प्रबोधन करने के लिए योजना के विभिन्न विभागों में राष्ट्रीय प्रबोधन समिति के गठन का प्रावधान किया गया है। तदनुसार एतद्वारा राष्ट्रीय प्रबोधन समिति गठित की गई है जिसकी संख्या इस प्रकार है—

(क) सचिव शहरी विकास मंत्रालय	प्रध्यक्ष
(ख) संयुक्त सचिव (यूडी) शहरी विकास मंत्रालय	सदस्य
(ग) संयुक्त सचिव (वित्त) शहरी विकास मंत्रालय	सदस्य
(घ) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय महिला एवं बाल विकास विभाग (मानव संसाधन विकास मंत्रालय)	सदस्य
तथा शिक्षा विभाग, एन एफ ई प्रभाग) मानव संसाधन विकास मंत्रालय के प्रनिनिधि	
(ङ) भारत राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के सचिव नोडल अधिकारी जिन्हें एक वर्ष की प्रबधि के लिए क्रमबार सदस्य प्राप्ति पर नियुक्त किया जायगा।	
(च) शहरी कार्य राष्ट्रीय संस्थान भारतीय लोक प्रबंध संस्थान, एन आई ई सी सी और राष्ट्रीय सामाजिक संस्थान के निदेशक नामित प्रतिनिधि।	सदस्य
(छ) सीन अपर्सनी सरकारी प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधि जिन्हें एक वर्ष की प्रबधि के लिए क्रमबार प्राप्ति पर नियुक्त किया जायगा।	सदस्य
(ग) यूनीसेफ के प्रतिनिधि	सदस्य
(घ) निदेशक (यू.पी.ए) शहरी विकास मंत्रालय	सदस्य सचिव

3. राष्ट्रीय प्रबोधन समिति के निम्नलिखित कार्य होंगे :

- समय-समय पर विभिन्न राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों में योजना के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा करना।
- विशेषकर 74वें संविधान संशोधन को ध्यान में रखते हुए गरीबी उम्मूलन कार्यक्रम के कार्यान्वयन में यू.एल.बी.एस की भागीदारी को सशक्त बनाना।
- शहरी स्तर पर समुदाय आयोजकों और परियोजना अधिकारियों, जिला स्तर पर जिला शहरी विकास एजेंसियों तथा राज्य स्तर पर राज्य शहरी विकास एजेंसियों समुचित नोडल एजेंसियों के रूप में यू.बी.एस पी कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए व्यावसायिक परियोजना संगठन का विकास करना।
- केन्द्र सरकार द्वारा राज्यों/संघ शासित प्रदेशों को दी गई धनराशि के उपयोग की समीक्षा करना तथा साथ ही यह सुनिश्चित करना कि संघ शासित प्रदेश अपने हिस्से की धनराशि का समुचित नियन्त्रण आवंटन करें।
- स्वभ निवासियों की सामुदायिक विकास समिति बैठा सुनिश्चित करना ताकि उन्हें शामिल प्रदान कर विकास कार्यक्रमों में लोगों की भागीदारी को सुदृढ़ करना।
- यू.बी.एस पी कार्यक्रम के कार्यान्वयन में स्वैच्छिक एजेंसियों तथा अन्य गैर सरकारी संगठनों की भागीदारी को सशक्त करना।
- योजना केन्द्र सरकार द्वारा अपनाई गई राष्ट्रीय कार्य योजना कार्यक्रम में उल्लिखित लक्ष्यों की प्राप्ति में योगदान दे रही है या नहीं, का मूल्यांकन करना।

[सं. एन-11025/9/93-यू.बी.एस/यू.बी.ए-III]
श्री.के. कोडल, प्रबर सचिव

Ministry of Urban Development

New Delhi, the 18 June, 1993

G.S.R. 363.—The Scheme of Urban Basic Services for the Poor (UBSP) has been approved by the Government for implementation during the Eighth Five Year Plan period as a Centrally sponsored Scheme.

2. At the town/city level, the Urban Local Bodies play a significant role in the implementation of the Scheme. At the District level District Urban Development Agencies and at the State level, State

Urban Development Agencies/State level Monitoring Committees headed by a Secretary level officer monitor the implementation of the Scheme. In order to monitor the Scheme at the national level, the Guidelines on the Scheme provide for the setting up of a National Monitoring Committee. Accordingly, the National Monitoring Committee is hereby set up with the following composition:

- Secretary, Ministry of Urban Development. —Chairman
- Jt. Secretary (UD), M/o Urban Development —Member

(c) Jt. Secretary(F), M/o Urban Development	Member	(b) To strengthen the participation of Urban Local Bodies in the implementation of the poverty alleviation programmes especially in view of the 74th Constitutional Amendment Act.
(d) Representatives of Ministry of Health & Family Welfare; Ministry of Welfare; Department of Women & Child Development, (Ministry of Human Resource Development) and Department of Education (NFE Division) (Min. of Human Resource Development).	Members	(c) To develop a professional project organisation for implementation of the UBSP programme in terms of Community Organisers and Project Officers at the city level, District Urban Development Agencies at the district level and State Urban Development Agencies/appropriate nodal agencies at the State level.
(e) Secretaries/nodal officers of 4 State/UTs on a rotational basis to be appointed for a one year term.	Members	(d) To review the utilisation of funds given to the States/UTs by the Central Government as well as to ensure appropriate allocations/releases of their share of funds by the State Governments/UTs.
(f) Directors/designated representatives of the National Institute of Urban Affairs, Indian Institute of Public Administration, NIPCCD and National Institute of Social Defence.	Members	(e) To ensure devolution of funds to Community Development Societies of slum dwellers with a view to empowering them and strengthening people's participation in developmental programmes.
(g) Representatives of the three leading non-governmental organisations on a rotational basis to be appointed for a year term.—	Members	(f) To strengthen the involvement of voluntary agencies and other NGOs in the implementation of the UBSP programme.
(h) Representatives of UNICEF.	Member	(g) To assess whether the scheme is contributing towards the achievement of goals outlined in the National Programme of Action adopted by the Central Government.
(i) Director (UPA); Min. of Urban Development.	Member Secretary	

3. The following will be the terms of reference of the National Monitoring Committee:—

- To review the status of the implementation of the scheme in the various States/UTs from time to time. —

[No. N-11025/9/93-UBS/UPA-III]

V.K. KONDAL, Under Secy

अम मंत्रालय

नईदिल्ली: 21 जून, 1993

सा. का. नि. 364—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और अन्वेषक शेष: 1 (अम घूरो) समरूप भर्ती नियम, 1983 को उन बातों के सिवाय अधिकांश करते हुए, जिन्हे ऐसे अधिकरण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, अम घरों अम मंत्रालय में अन्वेषक शेष: 1 के पद पर भर्ती का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का नियमन नाम अम घूरो (अन्वेषक शेष: 1) भर्ती नियम, 1993 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशित करार की प्रवृत्त होते।
- पद संज्ञा, वर्णकरण और बेतनमात्र:—उक्त पद की संज्ञा, उसका वर्णकरण और उसका बेतनमात्र यह होता जो इन नियमों से उपर्युक्त अनु-मूल्य के स्तरम् 2 से स्तरम् 4 में विनियोगित है।
- भर्ती का पदान्वयन, आपू-संसार, अहंताएं आदि:—उक्त पद पर भर्ती का पदान्वयन, आपू-संसार, अहंताएं और उससे संबंधित अस्य बातें वे हैं जो उक्त अनुसूची के स्तरम् 5 से स्तरम् 14 में विनियोगित हैं।

4. वह अविक्षित:—

- जिसने ऐसे अविक्षित से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
- जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी अविक्षित से विवाह किया है;

उक्त पद पर नियुक्ति का गान्धी नहीं देता:

परन्तु यदि गान्धीय सरकार का यह समाधान ही जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे अविक्षित और विवाह के प्रथम पक्षकार को सामूहीक विवाह के अधीन अनुच्छेद है और ऐसा करते के लिए भाव्य आवार है तो वह किसी योजना ॥। इष्ट नियम के प्रवर्तन से छूट वे स्केगी।

5. शिखिल करते की शक्ति :- जहा के स्वीय सरकार को यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक दा सर्वेक्षण है, वहा वह उसके लिए जी करण है उन्हे नेतृत्व द करने के तथा संघ लीक में वा आयोग से त्रुमर्श करने। इन नियमों के किनो उत्तरध की किसी धर्म वा प्रवर्ग के अधिकारियों की बाबत, आदेश द्वारा शिखिल कर सकती।

6. अपार्वति :- इन नियमों की काह बाबत, ऐसे आरक्षण, आयु-संभा मा मे लूट और भ्रष्ट विधायियों पर प्रभाव नहो ढारित, जिनका केवल सरबार द्वारा इस संवेद में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुचित जातियों, अनुमूलित जन जातियों, मूल्यवाच संघों अर्थ अन्य विधेय प्रभार के अधिकारियों के लिए उत्तराप्त करना अनोखिन है।

अनुमूलित

पदनाम	पर्वों की संख्या	वे तामान	शार्किरण	वयस पद	सीधे भर्ती लिए जाने वाले अधिकारियों के भेदा मे जांचे गए वर्षों
				पदवय	का पालना कोर्ट्स
				पदवय	सिविल सेप्य वैकाश
					नियम, 1972 के नियम, 30 के अधीन अनुमोद होते नहीं

1	2	3	4	5	6	7
अधिकारियों-- 1	48*	सावारण केन्द्रीय (1993)	1640-10- सेवा समूह "ब"	चयत	30 वर्ष से अधिक नहीं	नहीं
*कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।		प्रराजपत्रिन्, अनुसविवाय	2600-इ. रा - 75-2900 इ.		(केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों द्वा आदेशों के अनुसार सरकारी संवादों के लिए 5 वर्ष तक शिखिल की जासकती है।)	
					टिप्पण :- मायु-संभा अवधारित करने के लिए नियायिक तारीख भारत में अस्तियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत वो गई अंतिम तारीख जो प्रसाम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजो- रम, मणिपुर, नागालैंड, शिपुरा, मियांग, अमू-काम्फोर राज्य के लहाव बंड, हिमाचल प्रदेश के नाहील और सोन्हि जिने तथा चम्बा जिने की पानी उपर्युक्त अंशमान और निकोबार, द्वीप वा लम्बाव के अधिकारियों के लिए विहिन की गई है।	

अर्थात् किए जाने वाले अधिकारियों के लिए अधिकारियों और संघे भर्ती किए जाने वाले अधिकारियों के लिए परिवक्षा का शब्दिय, यदि काह हो।
अन्य अंशमान

विहिन गायु और अधिकारियों के लिए अंशमान वा अधिकारियों की दशा में अनु देशी या नहीं।

8

9

10

आवश्यक :

- (1) किसी आन्यताप्राप्त विषविद्यालय मे लाइब्रेरी/पणि (सांखिकी सहित) / अवैज्ञानिक (सांखिकी सहित)/वाणिज्य (सांखिकी सहित) मे मास्टर डिप्लो या समतुल्य।
- (2) अप विद्यार्थी से संबंधित आवासी ये संपर्क अवैज्ञानिक और विश्वविद्यालय का अनुभव का है।

आयु . नहीं

अधिक अंशमान वा अधिकारियों के लिए अवश्यक देशी अवश्य होनी।
प्राप्त विषविद्यालय से दियी अवश्य होनी।
जाहिद जिसमे अवैज्ञानिक, सांखिकी, गणित
वा आणिज्य एवं विषय के रूप मे हो हो।
या समतुल्य।

अवश्य

भर्ती को पद्धति: भर्ती संघे होनी या प्रोत्सवि द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानात्मक द्वारा तथा अधिक पद्धतियों द्वारा भरी जाने व ली रिक्तियों की प्रतिशतता।

11

75% प्रेटेन्टि द्वारा, जिसके न हो सकने पर, प्रतिनियुक्ति पर स्थानात्मक द्वारा।
25% सीधी भर्ती द्वारा।

12

प्रोक्षण:

ऐसे अन्वेषक श्रेणी—2 जिन्होंने उस श्रेणी में कम से कम 5 वर्ष नियमित सेवा की है।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानात्मक:—
केन्द्रीय सरकार के ऐसे अधिकारी:—

(क) (1) जो नियमित आवार पर सदृश पद धारण किए हुए हैं।

(2) जिन्होंने 1400-2300 रु. या समतुल्य बेतनम् न बाले पदों पर 5 वर्ष नियमित सेवा की हो।

(ख) जिनके पास संभग 8 के अधीन संघे भर्ती किए जाने वाले अधिकारी के लिए विहित शैक्षिक अहंताएँ और अनुबंध हैं। पोषक प्रवर्ग ऐसे विद्यार्थी अधिकारी, जो प्रोत्सवि की सीधी पंक्ति में हैं प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। इसी प्रकार प्रतिनियुक्ति व्यक्ति प्रोत्सवि द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। प्रतिनियुक्ति की अवधि जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले घारित किसी अन्य काडर बहुवय पद पर प्रतियुक्ति की अवधि है, साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि विभागीय प्रोत्सवि समति है तो उसको संरक्षन।

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ सोक सेवा आवोग से परामर्श किया जाएगा।

13

समूह "ख" विभागीय प्रोत्सवि समिति:

(गुटि/प्रोत्सवि के लिए)

1. निदेशक, अम व्यर्गों	-- शाल्यक्ष
2. संयुक्त निदेशक, अम व्यर्गों	-- सरक्ष
3. प्रशासनिक अधिकारी, अम व्यर्गों	-- सदस्य

14

सीधी भर्ती करते समय संघ लोक सेवा आवोग से परामर्श करने अवश्यक है।

[सं. ए-12018/4/87-ई. एस. ए. (एल. बी.)]
एस. एन. शर्मा, संयुक्त निदेशक

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi the 21st June, 1993

G.S.R. 364 :—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Investigator Grade-I (Labour Bureau) Similar Recruitment Rules, 1963, except as respect thing done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Investigator Grade-I in the Labour Bureau, Ministry of Labour namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Labour Bureau (Investigator Grade-I) Recruitment Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto to these rules.

(3) Method of recruitment, age-limit qualifications etc.—The method of recruitment, age-limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any other person,

shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage, and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by orders, for reasons to be recorded

in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving:—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age-limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the [Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons, in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of post	Classification	Scale of pay
1	2	3	4
Investigation Grade I.	56* (1993) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service, Group 'B' Non-Gazetted, Non-Ministerial.	Rs. 1640-60-2600-EB-75- 2900.

Whether selection post or non-selection post.	Age limit for direct recruits.	Whether benefit of added years of Service Admissible under rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972.
5	6	7

Selection	Not exceeding 30 years. (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note : The crucial date for determining the age-limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep
-----------	--

Educational and other qualifications required for direct recruits.	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.
8	9	10	11
Essential :	Age : No	Two years.	75% by promotion failing which by transfer on deputation.
(i) Master's Degree in Statistics/Mathematics (with Statistics)/Economics (with Statistics)/Commerce (with Statistics) from a recognised University or equivalent.	Educational qualifications : No but must possess Bachelor's degree with Economics, Statistics, Mathematics or Computer as one of the subjects from a recognised University or equivalent.		25% by direct recruitment.

In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.

12

Promotion :

Investigators, Grade II with atleast 5 years' regular service in the grade.

भर्ती की पद्धति: भर्ती संबंधे होनी या प्रतिनियुक्ति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पदवियों द्वारा भर्ती जाने व सो विकितयोंकी प्रतिबंधता।

प्रोफेशनल/व्युवित/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वै अधिकारी जिसके प्रतिनियुक्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।

11

12

75% प्रोन्टेशन द्वारा, जिसके न हो सकने पर, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा।
25% संघीय भर्ती द्वारा।

प्रोफेशनल :

ऐसे अन्वेषक श्रेणी—३ जिन्होंने उस श्रेणी में कम से कम 5 वर्ष नियमित सेवा की है।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण :-

वैभवीय संस्कार के ऐसे विधिकारी :-

(क) (1) जो नियमित आवाहन पर संथान पर व्यापार किए हुए हैं।

(2) जिन्होंने 1400-2300 रु. या इसमें से ज्यादा पांच वर्ष नियमित सेवा की हो।

(घ) जिनके पास संघ ४ के अधीन संघ संघ भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विविहत शैक्षिक शर्तें और अनुबंध हैं।

पोषक प्रबन्ध ऐसे विभागीय अधिकारी, जो प्रोफेशनल/सीधा पदवित में है प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विवाह किए जाने के पास नहीं होते। इसी प्रकार प्रतिनियुक्ति व्यक्ति जो प्राप्ति द्वारा नियुक्ति के लिए विवाह किए जाने के पास नहीं होते।

प्रतिनियुक्ति ही व्यक्ति जिसके अन्तर्गत कौशल संस्कार के उसी में किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले व्यक्ति किसी अन्य काउन्ड्रेक्यु पर पर प्रतिनियुक्ति की अवधि ही जाएगता ही नहीं होती।

वैधिकारीय प्रोफेशन समति है तो उसकी संरक्षण।

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ सोक सेवा अवधोग से परामर्श किया जाएगा।

13

14

समूह "ए" विभागीय प्रोफेशन समिति :
(गुरुदि/प्रोफेशन के लिए)

संघीय कर्त्ता समय संघ सोक सेवा अवधोग से परामर्श करना।
प्रावधारक है।

1. निवेशक, श्रम व्यवस्था -- अध्यक्ष
2. संयुक्त निवेशक, श्रम व्यवस्था -- सचिव
3. प्रशासनीय अधिकारी, श्रम व्यवस्था -- सदस्य

[सं. ए-12018/4/85-ई. एस. ए. (एल. ए.)]
एस. एन. गर्भी, संयुक्त निवेशक

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi the 21st June, 1993

G.S.R. 364 :—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Investigator Grade-I (Labour Bureau) Similar Recruitment Rules, 1963, except as respect thing done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Investigator Grade-I in the Labour Bureau, Ministry of Labour namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Labour Bureau (Investigator Grade-I) Recruitment Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto to these rules.

(3) Method of recruitment, age-limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age-limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any other person,

भव भैत्रालय

(राजगार और प्रशिक्षण महानियोगालय)

नई दिल्ली, 23 जून, 1993

मा. क्र. नि. ३८६—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद ३१९ के परस्परक द्वारा प्रदत्त नियमों का प्रयोग करते हुए, प्रशिक्षण नियोगालय (मद्रास स्थित केंद्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान एवं इसमें सम्बद्ध प्राविद्य प्रशिक्षण संस्थान, केंद्रीय सिक्षण प्रशिक्षण नियोगालय व उच्च प्रशिक्षण संस्थान के यूनिट, आर्थ औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कालीकट व वा. महिना केंद्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान, त्रिवेन्द्रम) समूह "ब" पर भर्ती नियम, १९७८ का और संशोधन करने के लिए नियन्त्रित नियम बनाते हैं, इसका :-

१. (१) इन नियमों का संक्षिप्त नाम प्रशिक्षण नियोगालय (मद्रास स्थित केंद्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान एवं इसमें सम्बद्ध आर्थ औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कालीकट व वा. महिना केंद्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान, त्रिवेन्द्रम) समूह "ब" पर भर्ती (संशोधन) नियम, १९९३ है।

(२) वे राजपत्र में प्रकाशित की जाएँगे की प्रवृत्त होंगे।

२. प्रशिक्षण नियोगालय, मद्रास स्थित केंद्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान एवं इसमें सम्बद्ध प्राविद्य प्रशिक्षण संस्थान, केंद्रीय सिक्षण प्रशिक्षण नियोगालय व उच्च प्रशिक्षण संस्थान के यूनिट, आर्थ औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कालीकट व वा. महिना केंद्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान, त्रिवेन्द्रम) समूह "ब" पर भर्ती नियम (जिसे इसमें इसके पांचाल मूल नियम कहा गया है) में "महिना केंद्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान, त्रिवेन्द्रम" कार्यों के स्वामन पर उल्लंघनों वे आते हैं, "महिना केंद्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान, त्रिवेन्द्रम और केंद्रीय अनुदेशक संस्थान, मद्रास में गन्ह "ब" पर नियमित आवार परनियुक्त प्रशिक्षण, आवार-प्रशिक्षण नियमित क. तारीख से नियन्त्रित आधार पर नियुक्त किए गए समझे जाएँगे।"

माल्ट कारक ज्ञापन :

यह प्रमाणित किया जाता है कि भर्ती नियमों के इस मुद्रणके प्रभाव से किसी कर्मचारी के हितों पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

१	२	३	४	५	६	७
३ मंडार परिवर्तन (1993)	३ rd माघारण केंद्रीय रोपण, १५०-२०-११५०- ११५०-२५-१५०० रु.	लागू नहीं होगा,	लागू नहीं होगा,	१४-२५ वर्ष के होंगे।		
१ उच्च प्रशिक्षण (इन्डियन संस्थान-२	१ उच्च प्रशिक्षण माध्यम संस्थान मद्रास-१			केंद्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आवेदों के सन्तुष्टान सरकारी सेवकों के लिए नियमित करके १० वर्ष (अनुदेश जारीयों और अनुसूचित जनकारियों के बीच में ५ वर्ष तक के जा नकर्त हैं।		
*कार्यालय के द्वारा, पर परिवर्तन किया, जा सकता है।				टिप्पणी :- इसमें इवांसन, इवांसन कार्यालय के लिए नियमित नारीक प्रथक मामले में भारत में अधिकारी भूमि प्राप्ति की अनियमित नारीक जो अक्षम देश-लाय असामाजिक प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, श्रीनगर, मिक्रोम, जम्मू-कश्मीर राज्य के भद्राख द्वारा, हिमाचल प्रदेश के लंबीन, झारखण्ड, जिले पानी उम्बर, अडमान और निकंवार द्वारा या लक्ष्मीनगर के अधिकारी के लिए नियम की गई है।		

workload.

Whether selection post or non-selection post.	Age limit for direct recruits.	Whether benefit of added years of Service Admissible under rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972.
5	6	7
Selection	Not exceeding 30 years. (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).	
	Note : The crucial date for determining the age-limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date proscribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti District and Panghi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep).	

टिप्पण : 2 रोजगार कार्यालयों के माध्यम से की जारी है, प्रत्येक मासिले में ऐसे पदोंकी, बाबत जिन, पर. नियुक्ति आयु-सीमा अवधारित करने के लिए नियांयिक तारीख होनी जिस तक रोजगार कार्यालयों से नाम भेजने के लिए कहा गया है।

8

9

10

आठवीं कक्षा परीक्षा उत्तीर्ण और सात वर्ष का शौचालिक अनुभव।

आयु—नहीं
आहता—हाँ

दो वर्ष

टिप्पण 1 :- अनुभव संबंधी आहता सक्षम प्राधिकारी के विवेकानुसार, अनु-सूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अध्यर्थियों को दशा में तब शिथिल की जा सकती है (ई) जब चबन के किसी प्रक्रम पर सक्षम प्राधिकारी की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समृद्धायों के अध्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उत्तम रूप से की संभावना नहीं है।

11

12

प्रोत्तरि द्वारा, जिसके न हो सकते पर मोथी भर्ती द्वारा।

प्रोत्तरि :

व्यवसाय परीक्षण के अधीन रहने द्वारा 775—1025 रु. के बेतनमान में ऐसे वफती में में प्रोत्तरि जिसने यूनिट में उग थ्रेणी में मात वर्ष सेवा की है, जिसके न हो सकते पर व्यवसाय परीक्षण के अधीन रहने द्वारा 750—940 रु. के बेतनमान में ऐसे समूह “च” कर्मचारिकृत रूप से जिसने यूनिट में उस थ्रेणी में 9 वर्ष सेवा की है जिसके न हो सकते पर मोथी भर्ती द्वारा।

13

14

विभागीय प्रोत्तरि समिति (केन्द्रीय प्रूफिट के लिए)

लागू नहीं होता।

जसमें निम्नलिखित होंगे :-

- 1. केन्द्रीय निदेशक, क्षेत्रीय ग्रिफ्टन प्रशिक्षण निवेशालय, मद्रास।
- 2. निदेशक, उच्च प्रशिक्षण संस्थान, मद्रास।
- 3. निदेशक, केन्द्रीय अनुदेशालय माध्यम संस्थान, मद्रास।
- 4. यूनिट का कोई अन्य समूह “क” प्राधिकारी।

उपरोक्त प्राधिकारी में से ज्यात्तम अध्यक्ष होगा और शेष मवस्थ होंगे।

1

2

3

4

5

6

7

7. चपरासी/परिष्वर	19*	मध्यारण केन्द्रीय भेदा, 750-12-870-व.रो.-	लागू नहीं	लागू नहीं	18—25 वर्ष के बीच।
	(1993)	समूह “ब”	14-940 रु.	होता	[केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए प्रादेशीय या अंतर्देशीय के भूत्तार सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 40 वर्ष तक (अनु-सूचित जातियों और अनु-सूचित जमजातियों की दशा में 45 वर्ष) तक की जा सकती है।]
1. आर डी प.टी,		(प्रारजपत्रित)			
	मद्रास—3				
2. ए.टी.ओ.आई,					
	मद्रास—3				
3. सी.आई.एम.आई					
	मद्रास—2				
4. सी.टी.आई,					
	मद्रास—5				

2

5. एम आई टी आई,
कालीफॉट—2
6. आर बी टी आई,
विवेन्द्रम—2

*कार्यभार के माध्यार पर
परिवर्तन किया जा सकता
है।

7

टिप्पण : आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णयिक तारीख प्रथमेक मामले में भारत में अध्यायियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियम की गई अंतिम तारीख होगी (न कि वह अंतिम तारीख जो असम, नेहरान्य, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नगालैंड, त्रिपुरा, मिक्रोम, जम्मू-कश्मीर राज्य के लद्दाख खंड, हिमाचल प्रदेश के लद्दाल, और स्वीति जिसे तथा चम्बा जिसे के पांच उपखंड, अंद्रमान और निकोबार द्वीप या लक्ष्मीनाथ के अध्यायियों के लिए विहित की गई है)।

टिप्पण 2 :—रोजगार कार्यालयों के माध्यम से की जाती है, प्रत्वेक मामले में ऐसे पर्दे की बाबत जिन पर नियुक्त, आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णयिक तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालयों से नाम भेजने के लिए कहा गया है।

8

9

10

आठवीं :
आठवां स्तर उत्तीर्ण ।

लागू नहीं होता

दो वर्ष

11

25 प्रतिशत स्थानांतरण द्वारा
75 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा

स्थानांतरण :

12

750-12-870-व, रो. 14-940 के बेतनमान में युनिट में के ऐसे समूह “ब” कर्मचारिशृंखला जिन्होंने एक या एक से अधिक श्रेणियों में पांच वर्ष नियमित सेवा की है और जिनके पास कम से कम प्रायमिक साझरता है और अंग्रेजी या हिन्दी या प्रावेशिक भाषा पढ़ने की योग्यता है।

13

14

समूह “ब” पद के लिए विभागीय प्रोफ्रेशन समिति (पुष्टि के लिए) जिसमें निम्नलिखित अधिकारियों में से उद्योगम धार्यक्ष होगा और शेष सबस्य होंगे :—
1. क्षेत्रीय निदेशक, क्षेत्रीय शिक्षाप्रशिक्षण निवेशालय, मद्रास।
2. निदेशक, उच्च प्रशिक्षण संस्थान, मद्रास।
3. निदेशक, क्षेत्रीय आयु-सीमा माध्यम संस्थान, मद्रास।
4. यूनिट का कोई प्रत्य अन्य समूह “क” अधिकारी।

लागू नहीं होता।

1

2

3

4

8. कार्यभार

20*

(1993)

1. ए टी आई,
मद्रास-72. सी आई एम आई,
मद्रास-13. सी टी आई,
मद्रास-84. एम आई टी आई,
कालीकट-25. आर बी टी आई,
ट्रिवेन्ट्रम-2साधारण केन्द्रीय सेवा,
समूह 'घ', (प्राज्ञपत्रित)750-12-870-द.रो.-
14-940 रु.

*कार्यभार के प्राधार पर
परिवर्तन किया जा सकता है।

5

6

7

लागू भवी होता

लागू नहीं होता

18-25 वर्ष के भीच

(केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या
आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए
शिखिल करके 40 वर्ष) अनुसूचित जातियों और
अनुसूचित जनजातियों की दशा में 45 वर्ष तक
की जा सकती है।

टिप्पणि : आयु सीमा अवधारित करने के लिए निणियिक
तारीख प्रत्येक मामले में भारत में अभ्यर्थियों
से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई
अंतिम तारीख होगी। (न कि वह अंतिम
तारीख, जो असम, मेघालय, असामाचल प्रदेश,
मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, तिपुरा, सिक्किम,
जम्मू-कश्मीर राज्य के लहान खंड, हिमाचल
प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा
जिले के पांगी उपखंड, अंडमान और निकोबार
द्वीप या लकड़ीप के अभ्यर्थियों के लिए विहित
की गई है)।

2. प्रत्येक मामले में ऐसे पदों की बाबत जिन पर
नियुक्ति, रोजगार कार्यालयों के माध्यम से की
जाती है, आयु सीमा अवधारित करने के लिए
निणियिक तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिस
तक रोजगार कार्यालयों से नाम भेजने के लिए
कहा गया है।

8

9

10

आवश्यक :

लागू नहीं होता

दो वर्ष

इस क्षेत्र में एक वर्ष का अनुभव होना चाहिए।

बांधनीय :**चतुर्थ स्तर उत्तीर्ण ।**

टिप्पण : अनुभव संबंधी अहंता सक्षम प्राधिकारी के विवेका-
नुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों
के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है (है)
जब वयन के किसी प्रक्रम पर सक्षम प्राधिकारी की
यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को
भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन
समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने
की संभावना नहीं है।

11

12

सीधी भर्ती

लागू नहीं होता

13

14

समूह “ध” पद के लिए विभागीय प्रोफेशन समिति (पुष्टि के लिए)

लागू नहीं होता

जिसमें निम्नलिखित होंगे :—

निम्नलिखित अधिकारियों में से ज्येष्ठतम् घट्यक्षम होगा और शेष
सदस्य होंगे :—

1. क्षेत्रीय निदेशक, क्षेत्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण निदेशालय, मद्रास।
2. निदेशक, उच्च प्रशिक्षण संस्थान, मद्रास।
3. निदेशक, केन्द्रीय अनुदेशीय माध्यम संस्थान, मद्रास।
4. यूनिट का कोई प्राच्य समूह “क” प्रधिकारी।

[सं० डी जी ई टी-ए 12018/12/91-डी.ए.-II]

एम० एन० वरदराजन, उप सचिव

टिप्पण :—मूल नियम अधिसूचना सा.का.नि. सं. 865, दिनांक 30-6-1975 द्वारा प्रकाशित किये गये थे और उनका संशोधन निम्नलिखित अधिसूचना राजपत्र द्वारा किया गया है।

1. सा.का.नि. सं. 1145, दिनांक 31-7-76
2. सा.का.नि. सं. 80, दिनांक 1-1-77
3. सा.का.नि. सं. 424, दिनांक 20-4-84
4. सा.का.नि. सं. 358, दिनांक 5-5-86

(Directorate General of Employment and Training)

New Delhi the 23rd June, 1993

G.S.R. 365 :—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Directorate of Training (the Unit of Central Training Institute for Instructors and the Model Training Institute attached thereto, the Regional Directorate of Apprenticeship Training and the Advanced Training Institute at Madras, the Model

Industrial Training Institute, Calicut, Regional Vocational Training Institute for Women, Trivendrum) Group ‘D’ Posts Recruitment Rules, 1975, namely:-

1. (1) These rules may be called the Directorate of Training (the unit of Central Training Institute for Instructors and the Model Training Institute attached thereto, the Regional Directorate of Apprenticeship Training and the Advanced Training Institute at Madras, the Model Industrial Training Institute, Cal-

cut, the Regional Vocational Training Institute for Women, Trivendrum) Group 'D' Posts Recruitment (Amendment) Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Directorate of Training (the Unit of Central Training Institute for Instructors and the Model Training Institute attached thereto, the Regional Directorate Apprenticeship Training and the Advanced Training Institute at Madras, the Model Industrial Training Institute, Calicut, Regional Vocational Training Institute for Women, Trivendrum) Group 'D' Posts Recruitment Rules, 1975, (hereinafter called the principal rules) for the words, "the Regional Vocational Training Institute for Women, Trivendrum" wherever they occur, the words "the Regional Vocational Training Institute for Women, Trivendrum and Central Instructional Media Institute, Madras.", shall be substituted.

3. In the schedule to the principal rules, for the entries against serial Nos. 3, 7 and 8, the following entries shall be substitute, namely:-

To be continued from the Schedule

4. In the said principal rules, after rule 8 the following rules shall be inserted, namely:-

"9 Initial Constitution:—The person appointed in the Central Instructional Media Institute, Madras to Group 'D' posts on regular basis prior to the date of publication of the notification of the Directorate of Training (the Unit of Central Training Institute for Instructors and the Model Training Institute attached thereto, the Regional Directorate of Apprenticeship Training and the Advanced Training Institute at Madras, the Model Industrial Training Institute, Calicut, Regional Vocational Training Institute for Women, Trivendrum and the Central Instructional Media Institute, Madras) Group 'D' Posts Recruitment Rules, 1986—GSR No. 358, dated 5-5-86 shall be treated to have been appointed on regular basis from their respective dates of appointment."

Explanatory Memorandum:—Certified that this retrospective effect of Recruitment Rule will not adversely affect the interests of any employee.

1	2	3	4	5
3. Store Attendant.	*3 (1992) (i) Advanced Training Institute —2 (ii) Central Instructional Media Institute, Madras —1	General Central Service Group 'D' (Non-Gazetted)	Rs. 950-20-1150-EB-1500.	Not applicable
	*Subject to variation dependent on workload.			

6	7	8
Not applicable	Between 1825 years (Relaxable for Government servants upto 40 years (45 years in case of Scheduled castes and Scheduled Tribes) in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note 1 . The crucial date for determining the age limit shall in each case, be the closing date for receipt of application from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladhak Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti district and Pangi Sub Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep).	Class VIII examination pass with 7 years industrial experience. Note : The qualification regarding experience is relaxed at discretion of the competent authority in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes/Scheduled Tribes, if at any stage of the selection, the competent authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved from them.

Note 2 : In respect of posts the appointments to which are made through the Employment Exchanges the crucial date for determining the age limit shall, in each case be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.

9

10

11

Age : No	2 years	By promotion failing which by direct recruitment.
Qualification : Yes		

12

13

14

Promotion :	Departmental Promotion Committee (for confirmation only consisting of) :— 1. Regional Director, Regional Directorate of Apprenticeship Training, Madras. 2. Director, Advanced Training Institute, Madras. 3. Director, Central Instructional Media Institute, Madras. 4. Any other Group 'A' Officer of the Unit. The senior most of the above officer shall be the Chairman and the remaining shall be Members.	Not applicable
Promotion from Dafty in the pay scale of Rs. 775-1025 with 7 years of service in the Grade in the Unit subject to passing of a Trade Test failing which from Group 'D' staff in the pay scale of Rs. 750-940 with 9 years of service in the Grade in the Unit subject to passing of a Trade Test failing which by direct recruit- ment.		

SCHEDULE

1	2	3	4
7. Peon/Attendant	*19 (1993)	General Central Service	Rs. 750-12-870-EB-14-
	1. RDAT, Madras	—3 Group 'D'	940.
	2. ATI, Madras	—3 (Non-Gazetted).	
	3. CIMI, Madras	—2	
	4. CTI, Madras	—5	
	5. MITI, Calicut	—2	
	6. RVTI, Trivandrum	—2	

*Subject to variation dependent
on workload.

5

6

7

8

Not applicable	Not applicable	Between 18-25 years (Relaxable for Government Servants upto 40 years/ 45 years in case of Scheduled Castes and Scheduled Tribes in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government.)	Desirable : 8th Standard passed.
<p>Note 1 : The crucial date for determining the age limit shall in each case, be the closing date for receipt of application from candidates in India (and not the Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).</p> <p>Note 2 : In respect of posts the appointments to which are made through the Employment Exchanges the crucial date for determining the age limit shall, in each case be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.</p>			

9

10

11

Not applicable	2 years	25% by transfer 75% by direct recruitment.
----------------	---------	---

12

13

14

Transfer :	Departmental Promotion Committee for Group 'D' posts (for confirmation) consisting of :	Not applicable
Group 'D' Staff in the Unit in the Scale of Rs. 750-12-870-FB-14-940 with 5 years regular service in one or more grades and possessing atleast elementary literacy and ability to read either English or Hindi or Regional Language.	The Senior most of the following officers shall be the Chairman and the remaining shall be Members : 1. Regional Director, Regional Directorate of Apprenticeship Training, Madras. 2. Director, Advanced Training Institute, Madras. 3. Director, Central Instructional Media Institute, Madras. 4. Any other Group 'A' Officer of the Unit.	

1

2

3

4

5

8. Chowkidar	*20 (1993)	General Central Service, Group 'D'	Rs. 750-12-870-EB- 14-940.	Not applicable
	1. ATI, Madras —7 (Non-Gazetted)			
	2. CIMI, Madras—1			
	3. CTI, Madras —8			
	4. MITI Calicut —2			
	5. RVTI Trivendrum —2			
	*Subject to variation dependent on workload.			

6

7

8

Not applicable	Between 18—25 years. (Relaxable for Government Servants upto 40 years/45 years in case of Scheduled Caste and Scheduled Tribe in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note 1 : The crucial date for determining the age limit shall in each case be the closing date for receipt of application from candidates in India (and not the Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland and Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub- Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). Note 2 : In respect of posts the appoint- ments to which are made through the Employment Exchanges the crucial date for determining the age limit shall, in each case be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	Essential : Should have one year's experience in the line. Desirable : 4th Standard pass. Note : The qualification regarding expe- rience is relaxable at the discretion of the competent authority in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes, if at any stage of the selection, the competent authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.
----------------	---	--

9

10

11

Not applicable	2 years	Direct recruitment.
----------------	---------	---------------------

12

13

14

Not applicable	Departmental Promotion Committee for Group 'D' posts (for confirmation) consisting of :— The senior-most of the following officers shall be the Chairman and the remaining shall be Members :— 1. The Regional Director, Regional Directorate of Apprenticeship Training, Madras. 2. Director, Advanced Training Institute, Madras. 3. Director, Central Instructional Media Institute, Madras. 4. Any other Group 'A' Officer of the Unit.	Not applicable.
----------------	--	-----------------

[No. DGET/A—12018/12/91—TA-II]
M.N. VARADARAJAN, Dy. Secy.

Note:- The Principal Rules were published vide GSR No. 565, dated the 30th June, 1975 and have been amended vide notification/gazette as under:-

- 3. GSR No. 424, dated 20-4-84
- 4. GSR No. 358, dated 5-5-86

- 1. GSR No. 1145, dated 31-7-76
- 2. GSR No. 60, dated 1-1-77

